राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 02 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–251 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मालदीव के नए राष्ट्रपति होंगे मोहम्मद मुइज्जू, चीन से गहरा कनेक्शन; भारत के लिए टेंशन की बात?

राष्ट्रपति का चुनाव जीतने से पहले मुइज्जू मालदीव के माले शहर के मेयर हैं। इस दौरान वह चीन के साथ गहरे संबंधों की कई बार वकालत कर चुके हैं।

नई दिल्ली। मालदीव में हुए राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद मुइज्जू ने जीत हासिल की है। मालदीव के ये चुनाव परिणाम भारत को टेंशन में डाल सकते हैं। क्योंकि मुइज्जू चीन समर्थक माने जाते हैं। उन्होंने निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को करारी शिकस्त दी। इससे पहले 2018 में सोलिह ने मुइज्जू की पार्टी के नेता और पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल यामीन को हराकर सत्ता हासिल की थी। अब्दुल यामीन पर बड़े पैमाने पर चीनी ऋण लेने और भारत की उपेक्षा करने के आरोप थे। भ्रष्टाचार के आरोप में वह पहले से जेल में बंद हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद पहली प्रतिक्रिया में यामीन की रिहाई के आदेश दिए। मुइज्जू वही नेता हैं, जिन्होंने पिछले साल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अधिकारियों के साथ एक बैठक में कहा था कि उनकी वापसी दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का एक नया अध्याय लिखेगी। चीन को मालदीव के इलेक्शन परिणामों की प्रतिक्षा थी। मोहम्मद मुइज्जू की जीत ने चीन को मालदीव पर कूटनीतिक सफलता दिलाई है। उन्होंने अंतिम मुकाबले में 54.06 प्रतिशत वोट हासिल किए, जिससे निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को आधी रात से कुछ देर पहले हार स्वीकार करनी पड़ी।

मुइज्जू का जीतना चिंता कैसे

राष्ट्रपति का चुनाव जीतने से पहले मुइज्जू मालदीव के माले शहर के मेयर हैं। इस दौरान वह चीन के साथ गहरे संबंधों की कई बार वकालत कर चुके हैं। पिछले साल चीनी नेताओं के साथ एक बैठक में उन्होंने कहा था कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में वापसी करती है तो वे दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का नया अध्याय लिखेंगे।

मुइज्जू की पार्टी, पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान सोलिह पर भारतीय हितों को जोर देने आरोप लगाया था। वह अपने गुरु और पूर्व राष्ट्रपति यामीन की तरह चीनी हितों को बढ़ावा देने और भारत के साथ संबंधों को सीमित करने के पक्षधर रहे हैं। जबकि, सोलिह के मुताबिक, मालदीव में भारतीय सेना की मौजूदगी केवल दोनों सरकारों के बीच डॉकयार्ड निर्माण का समझौता भर है। इससे मालदीव की समप्रभुता पर कुछ प्रभाव नहीं पड़ेगा।

भारत की बढ़ाएंगे टेंशन? चुनाव प्रचार और मेयर रहने के दौरान हालांकि मुइज्जू भारत के खिलाफ बयानबाजी जरूर देते रहे हैं लेकिन, हकीकत यह है कि अब सत्ता संभालने के दौरान वह भारत की अनदेखी नहीं कर सकते। भारत को नजरअंदाज कर अपनी विदेश नीति पर आगे बढ़ना उन्हें नुकसान दे सकता है। हालांकि यह संभावना ज्यादा है कि वह भारत की अपेक्षा चीनी परियोजनाओं को ज्यादा हित और तवज्जो दें। बता दें कि मालदीव पूर्व और पश्चिम के बीच मुख्य शिपिंग मार्ग पर स्थित हिंद महासागर में 1,200 मूंगा द्वीपों से बना देश है।

चीन की दोस्त मुइज्जू की पार्टी

45 वर्षीय मुइज्जू उस पार्टी का नेतृत्व करते हैं, जिसने मालदीव में सत्ता संभालने के दौरान चीनी ऋणों की आमद की अध्यक्षता की थी। 2023 का मालदीव चुनाव भारत और चीन दोनों देशों के लिए काफी अहम था। अल जजीरा के मुताबिक, मौजूदा राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को 46त्न वोट मिले थे और मुइज्जू ने 18,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की थी।

कर्नाटक-तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद पर चिदंबरम ने दिया यह सुझाव, क्या हल होगी समस्या?

शिवगंगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस सांसद पी. चिदंबरम ने कर्नाटक और तमिलनाडुके बीच कावेरी जल विवाद को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए एक आयोग है, जिसके फैसले पर दोनों राज्यों को काम करना होगा।

'आयोग के फैसले पर दोनों राज्यों को काम करना होगा'

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, पी चिदंबरम ने कहा कि मैं तमिलनाडु से सांसद हूं। इसलिए मैं तमिलनाडु की मांगों पर दबाव डाल सकता हूं। कर्नाटक के सांसद कर्नाटक की मांगों पर दबाव डालेंगे, लेकिन इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए एक आयोग है, जिसके फैसले पर दोनों राज्यों को कार्य करना होगा।

क्या है मामला?

गौरतलब है कि कावेरी नदी के जल बंटवारे को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच विवाद चल रहा है। नदी को दोनों राज्यों के लोगों के लिए जीविका का प्रमुख स्रोत माना जाता है। सीडब्ल्यूआरसी ने कर्नाटक को 28 सितंबर से 15 अक्टूबर तक तीन हजार क्यूसेक पानी तमिलनाडु को देने का आदेश दिया था। इससे पहले, छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा पांच हजार क्यूसेक थी।

कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच आरोप-प्रत्यारोप

एएनआई के मुताबिक, कर्नाटक ने तमिलनाडु को नदी का पानी देने से मना कर दिया है। उसने इसके पीछे अपने राज्य के कुछ हिस्सों में आए सूखा का हवाला दिया है। वहीं, तमिलनाडु का आरोप है कि कर्नाटक सरकार झूठ बोल रही है।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी कर्नाटक सरकार

कर्नाटक के मुख्यमंत्री एम सिद्दरमैया का कहना है कि राज्य सरकार कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और सुप्रीम कोर्ट के सामने एक याचिका दायर करेगी, क्योंकि हमारे पास पानी नहीं है। इसलिए वह तमिलनाडु को पानी नहीं जारी कर सकती।

कर्नाटक के किसान कर रहे विरोध प्रदर्शन

सीडब्ल्यूएमए ने कर्नाटक को तमिलनाडु को पांच हजार क्यूसेक पानी देने का आदेश दिया था, जिसके बाद से कर्नाटक के किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने भी इस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है।

फ्री कश्मीर और भगवा जलेगा, जेएनयू की दीवारों पर विवादित स्लोगन

पीएम नरेंद्र मोदी पर भी टिप्पणी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय यानी एक बार फिर चर्चा में है। अब जेएनयू की दीवारों पर विवादित नारे लिखे गए हैं। बताया जा रहा है कि विश्वविद्लाय की दीवारों पर फ्री कश्मीर और भगवा जलेगा जैसे नारे लिखे गए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेएनयू की दीवार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के खिलाफ भी आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। देश के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय की दीवारों पर यह नफरत भरी बातें किसने लिखी हैं, अभी इसे लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई हैं। लेकिन इन सब के बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि यह स्लोगन लाल और नीले रंग से लिखे गए हैं। कई जगहों पर फर्श पर भी नीले पेंट से विवादित बातें लिखी गई हैं। जेएनयू के स्कूल ऑफ लैंगवेज

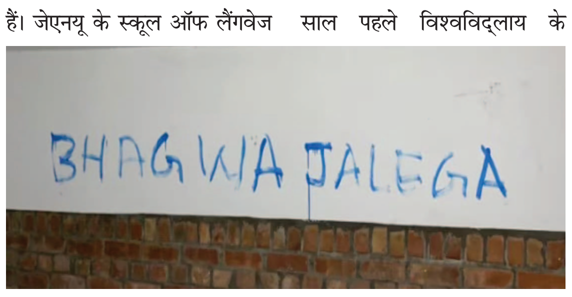

की दीवारों पर यह बातें लिखी गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इन दीवारं और फर्श पर फ्री कश्मीर, आईओके (भारत अधिकृत कश्मीर), भगवा जलेगा, मोदी तेरी कब्र खुदेगी जैसी बेहद ही आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। आपको बता दें कि जेएनयू कई बार विवादों में आ चुका है। करीब एक साल पहले विश्वविद्लाय के इंटरनेशनल स्टडीज की दीवारों पर ब्राह्मण और बनिया को लेकर विवादित बातें लिखी गई थीं। इसे लेकर भी काफी विवाद हुआ था। विश्वविद्यालय के कुछ शिक्षकों के नेम प्लेट पर कालिख भी पोती गई थी। इससे पहले जेएनयू में कथित तौर से देश-विरोधी नारे भी लगे थे। इसे लेकर भी काफी विवाद हुआ था।

स्वच्छता के लिए श्रमदान : अहमदाबाद में अमित शाह, गुरुग्राम में अश्विनी वैष्णव ने लगाई झाड़ू

नई दिल्ली। महात्मा गांधी की 154वीं जयंती से पहले आज देशभर में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत श्रमदान किया जा रहा है। मंत्री, नेता सहित आम लोग सुबह से ही स्वच्छता अभियान में भाग लेने के लिए बढ़-चढ़कर आगे आ रहे।

शाह ने लिया श्रमदान कार्यक्रम में भाग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत 'स्वच्छता के लिए श्रमदान' कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने यहां झाड़ू लगाई।

14 मिनट का क्लीन-अप प्रोटोकॉल तैयार

वहीं, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हरियाणा के गुरुग्राम में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में भाग लिया। उन्होंने कहा, 'वंदे भारत ट्रेनों के लिए 14 मिनट का क्लीन-अप प्रोटोकॉल तैयार किया गया है। आज यह 35 स्थानों पर शुरू होगा और फिर बाद में इसे आगे बढ़ाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री रविशंकर ने लगाई झाड़ू

भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पटना में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आयोजित सफाई अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि यह एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इस अभियान में भारत सरकार और अन्य वकीलों ने हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा, 'जब वकील मेरे मोहल्ले में आए, तो मेरा भी कर्तव्य बनता है कि मैं भी सफाई करूं। यहां सफाई करने के बाद अब मैं कालीघाट पटना जाऊंगा और स्वच्छता अभियान में भाग लूंगा।'

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत देश के लिए महत्वपूर्ण है। एक मन की बात कहूंगा कि देश जागता है, जगाने वाला चाहिए। आज पीएम मोदी ने एक आह्वान किया पूरा देश झाड़ू लेकर निकल गया, जो अच्छी बात है। इसी तरह देश को आगे बढ़ाना है।

इन लोगों ने भी लिया भाग

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने दिल्ली में स्वच्छता अभियान में भाग लिया। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा, हमने अंबेडकर बस्ती इलाके को साफ-सुथरा रखने के लिए लगातार काम किया है।

शिंदे ने बच्चों से की बातचीत -मुंबई में बीएमसी द्वारा आयोजित स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बच्चों से बातचीत की।

किलारी के भूकंप ने देश को आपदा प्रबंधन का गुर सिखाया

- पवार ने किलारी गांव में भूकंप कार्रवाई समिति द्वारा आयोजित आभार पुरस्कार समारोह में अपने विचार साझा किये कहा, मैंने जो काम किया, वह एक जिम्मेदारी थी। हजारों लोगों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया था। ऐसे कई व्यक्ति और संगठन थे, जिन्होंने दान दिया था।

लातूर। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि 1993 में किलारी में महसूस किए गए भूकंप की वजह से देश ने आपदा प्रबंधन का गुर सीखा और व्यक्तिगत स्तर पर उन्हें भविष्य के सभी संकटों का सामना करने का साहस मिला।

श्री पवार ने शनिवार को किलारी गांव में भूकंप कार्रवाई समिति द्वारा आयोजित आभार पुरस्कार समारोह में अपने विचार साझा किये कहा, मैंने जो काम किया, वह एक जिम्मेदारी थी। हजारों लोगों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया था। ऐसे कई व्यक्ति और संगठन थे, जिन्होंने दान दिया था। भूकंप के दो घंटे के भीतर, मैं लातूर के तत्कालीन संरक्षक मंत्री विलासराव देशमुख, धाराशिव के संरक्षक मंत्री डॉ. पद्मसिंह पाटिल के साथ किलारी पहुंचा था।

उन्होंने कहा, मैं कामकाजी संगठनों, अधिकारियों और व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं। उन्होंने शांतिलाल मुथा को भी विशेष सम्मान से नवाजा। श्री मुथा ने भूकंप में अपने माता-पिता को खोने वाले सैकड़ों बच्चों की देखभाल की।

इस बार ठंड में भी कटौती करेगा मौसम, बढ़ सकते हैं गरमी वाले दिन

नई दिल्ली। देश के बड़े हिस्से से मॉनसून विदा हो चुका है। सितंबर के आखिरी दिन पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेशष दिल्ली, हिमाचल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान से मॉनसून की विदाई हो गई। अल नीनो इफेक्ट के बाद भी इस बार 94 फीसदी बारिश दर्ज की गई। आम तौर पर अल नीनों की वजह से 25 फीसदी तक कम बारिश हो जाती है हालांकि इस बार 6 फीसदी ही कम बारिश हुई। हालांकि अल नीनो का प्रभाव अभी खत्म नहीं होने वाला है। मौसम विभाग का कहना है कि इस बार ठंड में भी कटौती होने वाली है। मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि अल नीनो इस बार सर्दियों तक बना रहेगा। दिसंबर से मार्च 2024 तक अल नीनो की संभावना 95 फीसदी तक ज्यादा है। ऐसे में इस बार सर्दियों के दिन कम हो सकते हैं। वहीं सर्द हवाएं भी कम चल सकती हैं। सर्दी कम होने से गरमी के दिनों में बढ़ोतरी भी देखी जा सकती है।

डॉ. महापात्र ने कहा कि इस बार अल नीनो का असर कम ही रहा है। आम तौर पर अल नीनो की वजह से बारिश में 10 से 25 फीसदी की कमी आ जाती है और सूखा पड़ जाता है। हालांकि ज्यादा गंभीर स्थिति नहीं बनी। इसके पीछे तीन मौसमी घटनाएं हैं। उन्होंने कहा कि इस बार इंडियन ओशन डायपोल, लो प्रेशर सिस्टम और मैडन जुलियन ओसिलेशन की वजह से बारिश में ज्यादा कमी नहीं आई। मौसम विभाग का कहना है कि इस बार 30 सितंबर तक 820 मिमी बारिश दर्ज की गई जो कि आम तौर पर 868 मिमी होती है। मध्य भारत में सामान्य बारिश हुई है। वहीं पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्र में बारिश में सबसे ज्यादा कमी दर्ज की गई। इस क्षेत्र में 18 फीसदी कम बारिश हुई। उत्तर पश्चिम में सामान्य से 1 फीसदी ज्यादा और दक्षिण भारत में 8 फीसदी कम वर्षा दर्ज की गई।

वाहनों पर बैन और कोयला-लकड़ी जलाने पर भी रोक, दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई धारने के लिए नये नियम लागू

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हर साल ठंड के दिनों में प्रदूषण बढ़ता है और यहां की हवा जहरीली हो जाती है। कई बार तो यहां लोगों का सांस लेना दुभर हो जाता है। इस बीच अब दिल्ली-एनसीआर की हवा सुधारने को लेकर केंद्र सरकार के ग्रेडेड ऐक्शन प्लान को रविवार से लागू कर दिया गया है। Commission for Air Quality Management को दिल्ली तथा दिल्ली से सटे इलाकों में हवा की गुणवत्ता को साफ करने का टास्क दिया गया है। सीएक्यूएम ने इसके लिए इस ऐक्शन प्लान में पहले से कई नए बदलाव भी किए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में कई चीजों पर बैन नये बदलावों के तहत यह तय किया गया है कि अगर दिल्ली का Air Quality Index (AQI) 200 के पार चला जाता है तो दिल्ली-एनसीआर में पुरानी गाड़ियों पर पूरी तरह प्रतिबंध लागू हो जाएगा। इसके अलावा होटलों में कोयले और लड़की जलाने पर भी प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा अगर त्तद्ध 400 के ऊपर चला जाता है तब ऐसी स्थिति में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल संचालित चार पहिया वाहनों पर भी तत्काल प्रभाव से दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर में बैन लग जाएगा।

इससे पहले प्रशासन इन सभी प्रतिबंधों के अलावा निर्माण और ध्वस्तीकरण पर बैन लगाने, उच्च उत्सर्जन वाले वाहनों पर रोक, लकड़ी जलाने और कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध तब भी लगाता था तब हवा की गुणवत्ता एक विशेष स्तर तक पहुंच जाता था। त्तक्र ने जो नए बदलावों के साथ जो नियम लागू किये हैं उसके पहले चरण के तहत इस बात का ध्यान रखा गया है कि ओवरएज हो चुकी डीजल और पेट्रोल से चलने वाली गाड़ियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने जो निर्देश दिये हैं उनका सख्ती से पालन किया जा सके।

दूसरे और तीसरे चरण के तहत बने यह नियम-दूसरे चरण में वायु की गणुवत्ता 200 के स्तर पर पहुंचने पर होटलों और रेस्टुरेंटों में कोयले तथा लकड़ी के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध की बात कही गई है। इसके अलावा इस चरण में वायु प्रदूषण के लिए हॉटस्पॉट माने जाने वाली जगहों पर भी हवा की गुणवत्ता सुधारने के लिए कड़े उपाय किये जाने की बात कही गई है।

तीसरे चरण के तहत बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल संचालित चार पहिया वाहनों पर दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर में बैन लगाया गया है। इसके अलावा वायु प्रदूषण को देखते हुए सीक्यूएएम की सलाह पर 5वीं क्लास तक के बच्चों के स्कूल को बंद रखने का फैसला भी लिया जा सकता है। अगर एक्यूआई 450 पर पहुंच जाता है तब सीएनजी या डीजल से चलने वाले वैसे वाहन जिनका रजिस्ट्रेशन दिल्ली से बाहर हुआ है उनपर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। हालांकि, इस दौरान जरूरी सेवाएं प्रदान करे वाले वाहनों को छूट मिलेगी। इसके अलावा GRAP के अलग-अलग चरणों में कई अन्य अहम प्रतिबंध भी लागू हैं।

6 साल में दूसरी बार सुधरा AQI

शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 167 दर्ज किया गया है। यह सूचकांक 1 जनवरी से 30 सितंबर के बीच का है। पिछले छह सालों में यह दूसरा मौका है जब इस अवधि में दिल्ली की हवा इतनी साफ दर्ज की गई है। इस अवधि के दौरान सिर्फ कोरोना महामारी के समय यानी साल 2020 में ही दिल्ली की हवा बेहतर दर्ज की गई थी। साल 2022, 2021, 2019 और साल 2018 में इस अवधि के दौरान दिल्ली का एक्यूआई 180-193 था। दिल्ली की हवा सुधारने की दिशा में डीजल जेनरेटरों पर बैन को लेकर भी समय-समय पर कार्य किये जाते हैं।

संपादकीय

फिर सुलगता मणिपुर

मणिपुर में मई से शुरू हुआ हिंसा-आगजनी का तांडव थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले कुछ दिनों की स्थिति देखकर लग रहा था कि राज्य शांति की तरफ बढ़ेगा,लेकिन हाल में दो लापता छात्रों के शव बरामद होने के बाद इंफाल में नये सिरे से हिंसा बढ़ गई है। आगजनी व हिंसक झड़पों के बाद पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा है और कई थाना क्षेत्रों में फिर कर्फ्यू लगाना पड़ा है। पड़ोसी देश म्यांमार से मणिपुर में सक्रिय अतिवादियों को हथियार व अन्य मदद मिलने की खबरों के बाद राज्य के 19 पुलिस थाना क्षेत्रों को छोड़कर शेष राज्य में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम अफस्पा छह महीने के लिये बढ़ा दिया गया है। लेकिन लगता नहीं है कि यह कदम हिंसा को थामने में मददगार होगा। मैतेई समुदाय के दो छात्रों के अपहरण व हत्या के बाद नये सिरे से भड़की हिंसा में पुलिस से टकराव में डेढ़ सौ के करीब छात्र घायल हुए हैं। इस घटना के प्रकाश में आने के बाद सीबीआई के एक स्पेशल डायरेक्टर को एक टीम के साथ अपहरण व हत्या मामले की जांच के लिये इंफाल भेजा गया है। हालांकि, कूकी बहुल पहाड़ी इलाकों में अफस्पा लगाने और मैतेई बहुल इलाकों को अफस्पा से मुक्त रखने को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। दरअसल, इस स्पेशल पावर एक्ट के तहत सेना को अशांत इलाकों में कार्रवाई के लिये विशेष अधिकार मिल जाते हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि कानून व्यवस्था में तभी सुधार संभव है जब पूरे राज्य में अफस्पा लागू हो। उनका मानना है कि यह फैसला रणनीतिक कम व राजनीतिक ज्यादा है। दरअसल, स्थानीय सुरक्षा तंत्र द्वारा गृह मंत्रालय को अवगत कराया गया है कि राज्य में सक्रिय कई प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन कैडर, हथियार व गोला-बारूद जुटा रहे हैं। यहां तक कि ये संगठन म्यांमार से अपने मददगारों के संपर्क में हैं और राज्य में अपना आधार मजबूत कर रहे हैं। जिनके तार चीन तक जुड़ते हैं। निश्चित रूप से फिलहाल मणिपुर में विभिन्न संगठनों द्वारा जिस तरह हथियार व गोला बारूद जुटाया जा रहा है, उससे नहीं लगता कि यह संघर्ष जल्दी थमेगा। इस संघर्ष में विदेशी फेक्टर का शामिल होना, जैसे कि राज्य सरकार भी कह रही है, बेहद चिंता की बात है। जाहिर है राज्य में तीन मई के बाद भड़की हिंसा के बाद जो शांति स्थापित करने की कोशिश हो रही थी, उसे हालिया हिंसा से फिर झटका लगा है। राज्य में हिंसा में बड़ी संख्या में लोगों का मरना और हजारों का बेघर होना, ऐसे जख्म दे गया है, जिन्हें जल्दी से भरना कठिन होगा। इस मुद्दे पर विपक्ष ने भी तीखे तेवर दिखाए और संसद में कड़ा प्रतिरोध किया। यहां तक कि सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी संसद में लाया गया था। यही वजह है कि दो महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार का वीडियो वायरल होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी सख्त रवैया दिखाया था। साथ ही स्वतः संज्ञान लेते हुए केंद्र व राज्य सरकार को चेताया था कि आप कुछ कीजिए, नहीं तो हम करेंगे। साथ ही शीघ्र कार्रवाई के लिये चेताया था कि देरी की वजह से सबूत गायब हो जाएंगे। जाहिर बात थी कि सुप्रीम कोर्ट राज्य प्रशासन की अक्षमता व लापरवाही से खासी क्षुब्ध था। निस्संदेह, मणिपुर में राज्य सरकार हिंसा रोकने के मामले में पूरी तरह विफल रही है। हाल ये है कि राज्य में हिंसा की घटनाओं का क्रम जारी है। यहां तक कि राहत व पुनर्वास के प्रबंधन पर सवाल उठाये जा रहे हैं।

भूख के संकट से बचाने वाला महानायक

देविंदर शर्मा

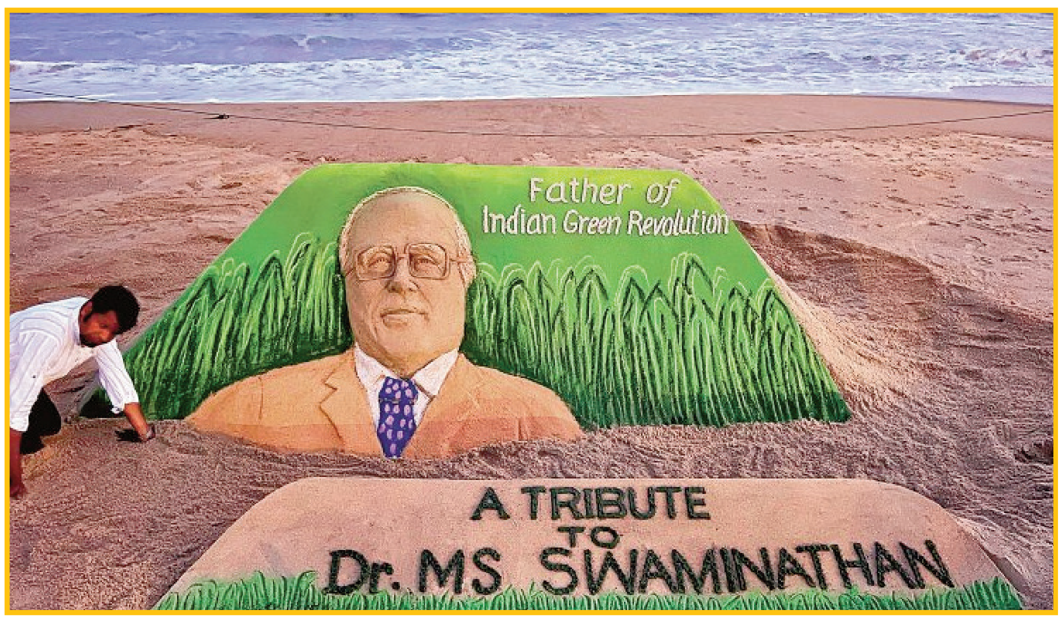

उन्हें भारत में हरित क्रांति का पितामह कहा जाता है, प्रोफेसर एमएस स्वामीनाथन, बेहतरीन विज्ञानी एवं प्रशासक, जीते जी किंवदंती बने, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन महासचिव कुर्त वाल्डहाइम ने पत्र लिखकर बधाई देते हुए विश्व का पहला खाद्य पुरस्कार विजेता घोषित किया। उनके देहावसान से एक युग का अंत हुआ है। उन्होंने एक बार मुझे बताया- 'हरित क्रांति के इतिहास की शुरुआत दरअसल इंदिरा गांधी के साथ कार-यात्रा में आधे घंटे की बातचीत से शुरू हुई।' यह पूछने पर कि इस भावी कृषि क्रांति को संबल देने लिए जिस राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत थी, वह पाना कितना मुश्किल रहा। इस पर प्रो. स्वामीनाथन ने यादों के पिटारे से बताया कि उस वक्त मैं नयी दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में निदेशक था और पूसा परिसर में एक नये भवन का उद्घाटन करने इंदिरा गांधी आईं, मैं उनके साथ था, रास्ते में प्रधानमंत्री ने पूछा 'स्वामी, मैं आपके द्वारा बताए नए किस्म के गेहूं पर दांव खेलने को तैयार हूं, लेकिन क्या आप मुझे यह वचन दे सकते हैं कि आज से दो सालों के बाद हमारे पास जरूरत के गेहूं के अलावा 1 करोड़ टन अतिरिक्त अन्न होगा, क्योंकि मैं पीठ पर सवार दुष्ट अमेरिकियों को उतार फेंकना चाहती हूं।' स्वामीनाथन ने वचन दिया और जो कर दिखाया, इतिहास है। वह देश, जो जिंदा रहने के लिए दो जून की रोटी जुटाने लायक नहीं था और करोड़ों लोगों का पेट भरने के लिए समुद्री जहाज़ों में लदकर खाद्यान्न आते थे, वहां कृषि-क्रांति से हुए परिवर्तन ने न केवल आत्म-निर्भरता बनाई बल्कि एक निर्यातक भी बना दिया। राजनीतिक नेतृत्व के यथेष्ट समर्थन से हुई हरित क्रांति की गाथा का प्राथमिक उद्देश्य देश को भुखमरी के चंगुल से निकलना था। बंगाल में 1943 के महा-अकाल के महज चार साल बाद मिली आज़ादी के बाद भी भुखमरी की चुनौती से निजात नहीं मिल पाई। दशकों तक, पीएल-480 योजना के तहत खाद्यान्न उत्तर अमेरिका से आता रहा। मालूम हो कि विश्व के अनेकानेक प्रभावशाली लोगों ने भारत को नकारा मान लिया था, कुछेक ने तो यहां तक भविष्यवाणी कर डाली कि 1970 के दशक के मध्य तक, बाकियों का पेट भरने के लिए आधे भारतीयों के जीवन को समाप्त करना पड़ सकता है। भुखमरी से लड़ाई की प्रो. स्वामीनाथन की नियति, विश्व के इतिहास में, सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक घटनाओं में एक के रूप में दर्ज होगी। न केवल इसने देश के भीतर करोड़ों लोगों की जिंदगी बदल दी बल्कि शेष दुनिया के लिए भी प्रेरणा बनी। हरित क्रांति के पुरोधा प्रो. स्वामीनाथन को भी सघन कृषि के नकारात्मक परिणामों का बखूबी भान था। वे हर मायने में दूरदृष्टा थे और कई बार उन्होंने न दिखाई पड़ने वाली भावी विफलता की चेतावनियां दीं। वर्ष 1968 में, हरित क्रांति शुरू होने के एक साल बाद, उन्होंने लिखा 'मिट्टी की प्रजनन शक्ति और संरचना को बचाए बगैर भूमि पर सघन खेती करते जाने का हश्र मरुस्थल बनाना है। कीट-फफूंद-खरपतवार नाशकों के अंधाधुंध उपयोग से इनका विषैला अंश अन्न और अन्य खाद्य पदार्थों में समा जाएगा और इससे कैंसर जैसे रोग बढ़ेंगे। भूजल के गैर-वैज्ञानिक दोहन से इस नैसर्गिक पूंजी में तेजी से ह्रास होगा।' फिलीपींस स्थित अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में निदेशक रहते हुए उन्हें इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुहार्तो से असामान्य संकट-संदेश मिला, जब भूरे टिड्डों की वजह से देश की धान फसल को बहुत नुकसान हुआ। सुहार्तो ने प्रो. स्वामीनाथन को इसका निदान निकालने को कहा। उन्होंने और तीव्र कीटनाशक इस्तेमाल करने की बजाय वैज्ञानिकों की टीम इंडोनेशिया भेजी जिसने सुहार्तो को कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाने की सलाह दी। ठीक इसी वक्त एकीकृत कीट-प्रबंधन अभियान चलाया। सुहार्तो ने अध्यादेश जारी कर 57 कीटनाशकों को प्रतिबंधित कर दिया। बहुत से लोगों को मालूम नहीं होगा कि प्रो. स्वामीनाथन तकनीक के अंध-विश्वासी नहीं थे। यहां तक कि जिन दिनों आनुवंशिक रूप से संशोधित धान (जेनेटिकली मॉडिफाइड राइस) के खिलाफ अभियान सबसे तीखा था, तत्कालीन पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश को दिया उनका मशविरा बीटी बैंगन के व्यावसायिक उत्पादन की अनुमति रोककर रखने के पीछे मुख्य कारक था। चेन्नई स्थित एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन में आयोजित प्रेस-वार्ता में उन्होंने फली की एक फोटो दिखाई और जीएम राइस के औचित्य पर सवाल उठाया। यहां उनका कहने का मतलब था कि रिवायती तौर पर चावल पकाते वक्त जो फलियों की पत्तियां डाली जाती हैं उससे विटामिन-ए खुद-ब-खुद प्राप्त हो जाता है। यदि केवल समय-समय पर प्रो. स्वामीनाथन द्वारा उठाई चिंताओं पर नीति निर्माता ध्यान देते रहते तो भारतीय कृषि अपनी सततता बनाए रखने पर बने घोर संकटों में न फंसती। उन्होंने सेंट्रल एडवाइज़री बोर्ड ऑन प्लांट रिसोर्स ऑफ सीजीआईएआर (जो कि अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केंद्रों का एक समूह है) की अध्यक्षता भी की है। मैं उस वक्त सीजीआईएआर के बौद्धिक संपदा अधिकार हेतु केंद्रीय परामर्श प्रकोष्ठ का सदस्य था। वैश्विक स्तर पर उपलब्ध पौध आनुवंशिक स्रोत सीधे निजी कंपनियों को देने पर लगी रोक में निभाई उनकी महत्ती भूमिका गोपनीय बनी रही। मैं चश्मदीद गवाह हूं कि वैश्विक जैव-विविधता खज़ाने का निजीकरण करने वाले प्रयासों को विफल करने में उन्हें कितने बड़े स्तर पर प्रयास करने पड़े थे। जब प्रो. स्वामीनाथन को वर्ष 2004 में राष्ट्रीय किसान आयोग का अध्यक्ष बनाया गया तो उन्होंने मुझे आयोग का ज़ीरो-ड्राफ्ट लिखने के लिए आमंत्रित किया था, जिसको अंतिम रूप देने से पहले देशभर में विचार और विमर्श किया जाना था। मुझे मिले दिशा-निर्देशों में किसान को केंद्र में रखना और फिर यह देखना कि उसकी हालत में सुधार कैसे हो। लेकिन बाद में जब मुख्य केंद्र बिंदु के तौर पर केवल किसान न होकर कृषि क्षेत्र के विभिन्न खिलाड़ियों के हित भी शामिल करने को कहा गया, तो मैंने माफी मांगकर किनारा कर लिया। लेकिन इस सब के बीच, प्रो. स्वामीनाथन के ध्यान का केंद्र किसानों की आय-सुरक्षा बनाना रहा। जहां वे खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने में किसानों की भूमिका के प्रशंसक थे वहीं कृषकों को दरपेश मुश्किलों को लेकर सदा चिंतित भी। वर्ष 2004 से 2006 के बीच, चार हिस्सों में प्रस्तुत स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट का उद्देश्य भारतीय कृषि में उत्पादन, मुनाफा और सततता को बढ़ावा देना था। देशभर के किसान संगठनों की मांगें इस रिपोर्ट के इर्द-गिर्द रहीं। उनका यह सुझाव कि किसान की फसल का भाव, औसत लागत में 50 फीसदी मुनाफा जोड़कर तय हो, इस पर एक के बाद एक आई सरकारों ने अमल नहीं किया। इस महान दूरदृष्टा को देश की ओर से सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि स्वामीनाथन रिपोर्ट पर अक्षरशः और इसकी पूरी भावना सहित क्रियान्वयन हो।

लेखक कृषि एवं खाद्य मामलों के विशेषज्ञ हैं।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

अपने काम से नाम को सार्थक करते उत्तम

उत्तम संजल, सामाजिक कार्यकर्ता

नेपाल और भारत का रिश्ता साझी संस्कृतियों का ही नहीं, साझे सपनों का भी है। इसीलिए जब-जब भी इन दोनों के आपसी रिश्तों में खटास पैदा हुई, तब-तब पशुपतिनाथ और बाबा विश्वनाथ के दरबार में गुहार के असंख्य हाथ एक साथ उठे। इस अनोखे रिश्ते के कारण ही काठमांडू में पैदा उत्तम संजल हिंदी फिल्मों में हीरो बनने का ख्वाब संजोए मुंबई आ जाते हैं, और उन्हें इंडस्ट्री में काम भी मिल जाता है।

काठमांडू जिले के गोतातार गांव में सन् 1972 में जन्मे उत्तम बचपन से ही हिंदी फिल्में देखा करते थे। नेपाल टीवी पर उन दिनों हिंदी सिनेमा खूब दिखाया जाता था। जैसे-जैसे उत्तम बड़े हुए, दूसरे नेपाली नौजवानों की तरह उनमें भी हिंदी फिल्मों के प्रति दीवानगी बढ़तीचली गई। उन्हें यही लगता था कि हीरो की इज्जत सभी लोग करते हैं और वह चाह जाए, तो पूरे समाज को बदल सकता है। उन दिनों वह काठमांडू के चामुंडा हाईस्कूल के छात्र थे। बोर्ड की पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका अगला ठिकाना कोई कॉलेज होना चाहिए था, मगर उनके अंदर तो हीरो बनने का सपना ठाठें मार रहा था, उत्तम ने मुंबई की राह पकड़ ली।

वह तब सिर्फ 18 साल के थे। मगर मुंबई पहुंचकर उन्हें धचका-सा लगा। उत्तम जैसे लाखों किशोर-नौजवान वहां हीरो बनने आए थे और वे सालों से भटक ही रहे थे। उनका घर लौटना आसान नहीं रह गया था। जुनूनी उम्र के सभी लोगों में उपहास को सहने का धैर्य ही कहां होता है? उत्तम ने भी मुंबई में रहकर संघर्ष करने का फैसला किया। हालांकि, काठमांडू की आरामदेह जिंदगी उन्हें बहुत सताती रही, मगर यह रास्ता तो उन्होंने खुद चुना था। उत्तम का संघर्ष बेकार तो नहीं गया, पर हीरो बनने की उनकी साध पूरी नहीं हुई। उन्हें कैमरे के आगे नहीं, बल्कि उसके पीछे का काम मिला। बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर वह कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहे, पर इस क्षेत्र में भी उनके करियर को मुफीद उड़ान नहीं मिल पा रही थी। उन दिनों नेपाल माओवादी विद्रोह की गिरफ्त में था। खासकर ग्रामीण इलाकों के नौजवान बागी गुटों में शामिल हो रहे थे या फिर भागकर काठमांडू आ रहे थे। चूंकि उनके पास न शिक्षा होती और न ही किसी किस्म का कौशल होता, लिहाजा उनमें से ज्यादातर कालीन बनाने वाले कारखानों में काम करने को मजबूर थे। उन्हीं दिनों में उत्तम एक बार मुंबई से काठमांडू अपने घर आए हुए थे। उन्होंने गौर किया कि जब कहीं कोई काम नहीं मिलता, तो कई किशोर चोरियां करने लगते या फिर वे भीख मांगने का पेशा अपना लेते। किशोरियों को देह व्यापार में धकेल दिया जाता था, और अगर उनके खिलाफ कोई शिकायत होती कि वे समाज को बिगाड़ रही हैं, तो पुलिस उन्हें उठा ले जाती।

उत्तम यह सब देखकर विचलित थे। उन्हें लगा कि इस समस्या का एकमात्र हल यही है कि इन बच्चों को स्कूल भेजा जाए और इन्हें सड़कों से दूर रखा जाए। मुंबई लौटने से पहले उन्होंने ऐसे 12 बच्चों का दाखिला एक स्कूल में कराया। लेकिन जब अगली बार वह काठमांडू आए, तो पाया कि स्कूल ने उन बच्चों को मुफ्त में शिक्षा देने से इनकार कर दिया था। उत्तम को लगा कि ये बच्चे पढ़ते रहें, यह सुनिश्चित करना अब मेरी जिम्मेदारी है। अंततः एक दशक बाद उन्होंने मुंबई छोड़ काठमांडू लौटने का निर्णय कर लिया।

साल 2000 में उत्तम ने 'समता शिक्षा निकेतन' की नींव रखी, ताकि गरीब परिवारों के बच्चों को भी अंग्रेजी माध्यम में स्तरीय शिक्षा मिल सके। मगर बांसों से बने इस स्कूल में मुफ्त शिक्षा देने के बजाय उन्होंने 100 रुपये की फीस रखी, ताकि गरीब अभिभावक किसी हीन-ग्रंथि के शिकार न हों और उनके भीतर भी दानशीलता का भाव उभारा जा सके। शुरुआती दिनों में कठिनाइयां आईं, किराये और कर्मचारियों के वेतन की व्यवस्था का काम चुनौतीपूर्ण था। लेकिन उत्तम को मुंबई के संघर्ष ने काफी कुछ सिखा दिया था। वह जुटे रहे। कुछ नेपाली दानवीरों ने उनका साथ दिया। 12वीं के बोर्ड के पहले बैच में उनके स्कूल में सिर्फ पांच बच्चे थे। मगर उन पांचों को शानदार नंबर (डिस्टिंगशन) मिले। ये सब 100 रुपये की फीस में पढ़ने वाले बच्चे थे।

इस कामयाबी ने उत्तम को समाज में सुर्खरू कर दिया। फिर तो उन्हें कई दानदाताओं का सहयोग मिला, मगर उन्होंने शिक्षा को मुनाफे का सौदा नहीं बनने दिया। उन्होंने एक कायदा बनाया कि स्कूल की 100 रुपये की फीस चुकाने के लिए अभिभावक को हर माह खुद आना होगा, ताकि छात्र-शिक्षक-अभिभावक के बीच एक अटूट रिश्ता कायम हो सके। आज नेपाल के 77 जिलों में समता शिक्षा निकेतन के 80 संस्थान चल रहे हैं और इनमें प्राइमरी से लेकर मास्टर्स तक की स्तरीय शिक्षा दी जाती है। इस समूह के शिक्षण संस्थान अब 20 अन्य देशों में भी चल रहे हैं, और इन सभी में नेपाल वाला पाठ्यक्रम ही पढ़ाया जाता है।

बीते 22 वर्षों का उत्तम संजल का हासिल यह है कि नेपाल के लगभग 60,000 छात्र-छात्राएं समता शिक्षा के स्कूलों व उच्च शिक्षण संस्थानों में महज 100 रुपये की मासिक फीस चुका अपना भविष्य संवार रहे हैं। इन स्कूलों के 51 बच्चे डॉक्टर बनकर मानवता की सेवा करने लगे हैं, तो 137 बीटेक की डिग्री हासिल करके विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं। यहां के कई बच्चे आज यूरोप व अमेरिकी विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप पर उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

जाहिर है, ये उपलब्धियां समता शिक्षा निकेतन की स्तरीय शिक्षा की मुनादी करती हैं। ऐसे में, स्वाभाविक ही है कि जब लंदन के 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड' ने उत्तम को काठमांडू में सम्मानित करने का फैसला किया, तो देश के तीन वर्तमान व पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, पुष्प कमल दाहाल और माधव कुमार नेपाल एक साथ उन्हें सम्मान देने चले आए!

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

विचार मंथन

मद्रास हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, 215 शासकीय कर्मचारियों को 1 से 10 साल तक की सजा

(लेखक - सनत जैन)

मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश पी वेलुमुरूगन ने तमिलनाडु के धर्मपुरी मे 18 आदिवासी महिलाओं के साथ दुष्कर्म और क्रूरता के आरोप में सरकारी कर्मचा रियों को सजा सुनाई है। हाईकोर्ट ने 215 सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को 1 वर्ष से लेकर 10 वर्ष तक की सजा का फैसला सुनाया है। पीड़िताओं को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने 500000 सरकार की ओर से तथा 5 लाख रुपये दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों से वसूल करने के आदेश सरकार को दिए हैं। तमिलनाडु हाईकोर्ट ने 4 आईएफएस अधिकारियों सहित वन विभाग के 126 कर्मचारियों, 84 पुलिस कर्मियों तथा 5 राजस्व विभाग के कर्मचारियों को यह सजा सुनाई है। यह प्रकरण 1992 से न्यायालय में चल रहा था। इसका निपटारा 2023 में हाईकोर्ट से हुआ है। तमिलनाडु हाईकोर्ट ने अपने आदेश में तत्कालीन जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक और जिला वन अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई करने की अनुशंसा की है। तमिलनाडु हाईकोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है। इस फैसले में शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। उन्हें उपयुक्त सजा भी कानून के अनुसार दी गई है। यदि इसी तरह हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से सरकारी अधिकारी, कर्मचारी और राजनेताओं के कार्यों में उनकी जिम्मेदारी तय की जाए, तो निश्चित रूप से अपराधों में नियंत्रण तथा कानून का राज बनाने की दिशा में न्यायपालिका का यह बड़ा सफल प्रयास माना जाएगा। 1990 के दशक में चंदन लकड़ी का कुख्यात तस्कर वीरप्पन को पकड़ने के लिए तमिलनाडु सरकार द्वारा सघन अभियान चलाया गया था। इस दौरान ग्रामीणों और आदिवासियों के साथ पूछताछ के दौरान दुर्व्यवहार, शारीरिक शोषण और प्रताड़ना स्थानीय लोगों को सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा दी गई थी। 20 जून 1992 को चेन्नई से लगभग 293 किलोमीटर दूर वाचथी गांव में चंदन की कटाई करने की सूचना वन विभाग को मिली थी। सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में वन विभाग और राजस्व विभाग का अमला धर्मपुरी के वाचथी गांव पहुंचा था। सरकारी अमले ने स्थानीय लोगों के साथ पूछताछ के नाम पर अभद्र व्यवहार किया। शारीरिक प्रताड़ना दी। जिसके कारण ग्रामीणों और अधिकारियों के बीच में हिंसक झड़प हुई। उसके बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल वहाँ पहुंचा। उसके बाद सरकारी अमले ने ग्रामीणों का बड़े पैमाने पर दो दिन तक उत्पीड़न किया गया। इस पूरे मामले में 155 वन कर्मी, 108 पुलिसकर्मी, छह राजस्व अधिकारी सहित 269 अधिकारी और कर्मचारी उस गांव में मौजूद थे। 2 दिन तक सरकारी अमले ने घरों में घुसकर ग्रामीणों को मारा। कई मवेशियों की हत्या कर दी ।महिलाओं के साथ सरकारी कर्मी हैवानियत से पेश आए। 18 महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया ।उसमें गर्भवती और 13 साल तक की बच्ची भी शामिल थी। 13 साल की बच्ची स्कूल जा रही थी। तभी सरकारी कर्मचारियों ने पकड़ कर उसके साथ बलात्कार किया ।थाने में दो रात तक सोने नहीं दिया गया। 2 दिन तक लगातार शारीरिक उत्पीड़न करते रहे। सरकारी अमले ने आतंक का राज कायम कर लिया था। 94 महिलाओं और 28 बच्चों को 1 महीने तक जेल में रखा गया। इस गांव के अधिकतर लोग आदिवासी और दलित थे ।इस मामले का फैसला आने में 32 साल लगे। लेकिन जिस तरह से हाईकोर्ट ने न्याय किया है। उसकी जितनी तारीफ की जाए,कम है ।पहली बार हाईकोर्ट का एक ऐसा आदेश देखने को मिला है। जिसमे सरकारी अमले ने कानून से मिले अधिकारों का दुरुपयोग किया।

आदिवासी और दलित महिलाओं का अमानुषिक उत्पीड़न किया ।वहीं ग्रामीण जनों के साथ मारपीट करके उनके घर और मवेशी जला दिए गए। इस आतंकी कार्यवाही में गरीबों के साथ जो अन्याय सरकारी अमले द्वारा किया गया था, उसकी सजा सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों को देकर हाईकोर्ट ने, जनमानस को यह विश्वास दिलाया है, कि भारत में कानून का राज है। जनतंत्र है, राजतंत्र नहीं।

गोल्डविंग टूर बाइक इंडिया में लॉन्च

-कंफर्ट के आगे फेल कई लग्जरी कार

नई दिल्ली । बाजार में एक ऐसी बाइक लॉन्च हुई है जो किसी लग्जरी कार से कम नहीं है। हालांकि ये बाइक पहले भी आती थी लेकिन अब कंपनी ने इसको पूरी तरह से बदल कर लॉन्च कर दिया है। यहां पर हम बात कर रहे हें होंडा गोल्डविंग टूर की। होंडा ने 2023 गोल्डविंग टूर को इंडिया में लॉन्च कर दिया है। हालांकि ये एक प्रीमियम टूरिंग बाइक सेगमेंट में आती है और इसकी कीमत भी किसी लग्जरी कार से कम नहीं है। यहां तक की इसकी कीमत में आप करीब करीब 10 ऑल्टो के 10 का एक्स शोरूम प्राइस पे कर सकते हैं। कंपनी ने इस कार को 39.20 लाख रुपये एक्स शोरूम रखा है।होंडा गोल्ड विंग के इंजन की बात की जाए तो अच्छी से अच्छी एसयूवी भी इसके दम के सामने पानी भरती नजर आएं। गोल्ड विंग में कंपनी ने 1833 सीसी का लिक्विड कूल्ड 23 वॉल्व और 6 फ्लैट सिलेंडर इंजन दिया है। मोटरसाइकिल 125 बीएचपी की पावर जनरेट करती है और इसका मैक्सिमम टॉर्क 170 एनएम का है। बाइइ में 7 स्पीड गियरबॉक्स है जो डुअल क्लच ट्रांसमिशन से कनेक्टेड है। मोटरसाइकिल में आपको रिवर्स का भी फंक्शन मिलता है। गोल्ड विंग के फीचर्स ऐसे हैं जिनके बारे में आपने न किसी बाइक में सुना होगा और न ही देखें होंगे। कंपनी ने इसमें फुल एलईडी लाइट्स दी हैं। इसी के साथ बाइक में 7 इंच का कलर टीएफटी डिस्प्ले दिया गया है। ये एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कार प्ले को सपोर्ट करता है। इस बाइक में आप आसानी से अपनी पसंद के गाने भी सुन सकते हैं। वहीं इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल फ्लाई स्क्रीन, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, यूएसबी टाइप सी सॉकेट, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और एयरबैग जैसे फीचर्स भी मिलते हैं। लॉन्च के साथ ही कंपनी के सेल्स और मार्केटिंग डायरेक्टर योगेश माथुर ने जानकारी दी कि कार की बुकिंग शुरू कर दी गई है और इस लग्जरी टूरर की डिलीवरी कंपनी अक्टूबर में ही शुरू कर देगी। वहीं बाइक की हीटेड और वेंटिलेटेड सीट्स के साथ ही हीटेड ग्रिप्स भी मिलती हैं। इसी के साथ बाइक में आपको ब्लोअर भी मिलता है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 209 रुपए महंगा

नई दिल्ली । ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए हैं। 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत 1 अक्टूबर से 209 रुपए बढ़ जाएगी। 19 किलोग्राम वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की दिल्ली खुदरा बिक्री कीमत 1 अक्टूबर से 1731.50 रुपए होगी। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया। वैसे तो मूल्यों में बढ़ोतरी कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर पर हुई है लेकिन इससे बाजार में खाने-पीने की चीजें महंगी होंगी और इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर बढ़ेगा। बता दें` कि एक सितंबर को तेल कंपनियों ने वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमतों में 158 रुपए की कटौती की थी। इसके बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत घटकर 1,522 रुपए हो गई थी। अगस्त महीने की शुरुआत में भी तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में 99.75 रुपए की कटौती की थी। इस तरह पिछले दो महीनों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में करीब 258 रुपए की कटौती की गई थी। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में ताजा बढ़ोतरी से महंगाई पर असर पड़ सकता है। खास कर रेस्टोरेंट में भोजन के लिए आपको अधिक पैसे चुकाने पड़ सकते हैं।

सितंबर में जीएसटी संग्रह 2.2 प्रतिशत बढ़कर 1,62,712 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली।

सितंबर महीने के लिए सकल जीएसटी राजस्व अगस्त के 1,59,069 करोड़ रुपये से 2.2 प्रतिशत बढ़कर 1,62,712 करोड़ रुपये हो गया। सितंबर के लिए 1,62,712 करोड़ रुपये के जीएसटी संग्रह में से केंद्रीय जीएसटी 29,818 करोड़ रुपये, राज्‍य जीएसटी 37,657 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी 83,623 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्र 41,145 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 11,613 करोड़ रुपये (माल के आयात पर 881 करोड़ रुपये के संकलन के साथ) शामिल है। सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी को 33,736 करोड़ रुपये और एसजीएसटी को 27,578 करोड़ रुपये का निपटान किया। नियमित निपटान के बाद सितंबर में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के मद में 63,555 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के मद में 65,235 करोड़ रुपये था। मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 में चौथी बार सकल जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। सितंबर में समाप्त होने वाली 2023-24 की पहली छमाही के लिए सकल जीएसटी संग्रह (9,92,508 करोड़ रुपये) रहा है जो 2022-23 की पहली छमाही (8,93,334 करोड़ रुपये) के सकल जीएसटी संग्रह से 11 प्रतिशत अधिक है।

बायजू की बोर्ड की बैठक अगले सप्ताह

नई दिल्ली । शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू वित्त वर्ष 2021-22 के वित्तीय परिणामों को मंजूरी देने और अपनाने के लिए अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में निदेशक मंडल की बैठक बुलाएगी। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कंपनी के नतीजों को अंतिम रूप देने में काफी देरी होने के बाद अब निदेशक मंडल के साथ इस पर चर्चा की जाएगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (बायजू ब्रांड की संचालक) ने शनिवार को वित्त वर्ष 2021-22 के लिए खातों को मंजूरी देने और अपनाने के लिए अक्टूबर 2023 के दूसरे सप्ताह में निदेशक मंडल की बैठक बुलाने के लिए अधिसूचना जारी की है। निदेशक मंडल, सलाहकार परिषद और कुछ आमंत्रित सदस्यों के साथ ऑडिट किए गए खातों को औपचारिक रूप से अपनाने के लिए बैठक की जाएगी। डेलॉयट ने वित्तीय विवरण जमा करने में देरी का हवाला देते हुए जून में कंपनी के ऑडिटर पद से इस्तीफा दे दिया था।

आईफोन को टक्कर देने आ रहे गूगल के ये फोन

मुंबई । गूगल के फ्लैगशिप सीरीज के फोन गूगल पिक्सल 8 और पिक्सल 8 प्रो लांच के लिए तैयारा हैं। लॉन्चिंग से पहले फोन को लेकर कई तरह की जानकारी सामने आ चुकी है। अब फोन के लीक हुई यूएसए कीमत के आधार पर ये सामने आया है कि भारत में उनकी कीमत कितनी हो सकती है। अगर अफवाहों की मानें तब पिक्सल 8 संभवतः 699 की कीमत पर लांच हो सकता है, जबकि पिक्सल 8 प्रो संभवतः 999 की कीमत पर लांच हो सकता है, जो कि पिक्सल 7 सीरीज की लांच कीमतों की तुलना में 100 ज्यादा है। फिलहाल ये कहना गलत नहीं होगा कि इस कीमत पर पूरी तरह से भरोसा नहीं किया जा सकता है, क्योंकि ये कीमत ऑफिशियल नहीं है, और कंपनी ने इसे लेकर कोई जानकारी नहीं है। सीरीज़ के दोनों फोन की कीमत का खुलासा तो लॉन्चिंग के बाद ही मालूम होगा। गूगल पिक्सल 8 की खासियत की बात करें तब पिक्सल 8 का डिजाइन पिक्सल 7 की तरह है, जिसमें पीछे की तरफ एक कैमरा बार और पंच-होल कटआउट के साथ एक फ्लैट डिस्प्ले होगा। वेनिला पिक्सल में दो रियर कैमरे दिए जा सकते हैं, जबकि प्रो मॉडल में तीन सेंसर होने की उम्मीद की जा रही है। पिक्सल 8 के रियर पर 50-मेगापिक्सल का जीएन 2 प्राइमरी सेंसर और 12-मेगापिक्सल का आईएमएक्स 386 अल्ट्रा-वाइड सेंसर दिया जा सकता है।

(शेयर बाजार समीक्षा) रिजर्व बैंक के ब्याज दर पर तय होगी बाजार की दिशा

- बाजार भागीदारों की नजर रुपए की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक समीक्षा बैठक, वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां देश के शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह कहना है। सोमवार दो अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार` विश्लेषकों ने कहा` कि जहां वैश्विक संकेतक बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे, वहीं शुक्रवार को आने वाली रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा पर सभी का` विशेष ध्यान रहेगा। हालांकि बाजार ब्याज दरों के मोर्चे पर यथास्थिति की उम्मीद कर रहा है, लेकिन डॉलर सूचकांक की मजबूती और बांड पर प्रतिफल के अलावा कच्चे तेल के दाम निवेशकों की चिंता का विषय बने हुए हैं। उन्होंने कहा` कि इसके अलावा सितंबर में भारत सहित उभरते बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की सतत बिकवाली ने बाजार को प्रभावित किया है। बाजार रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर बारीकी से नजर रखेगा। तीन दिन की यह बैठक चार अक्टूबर को शुरू होगी। बैठक के नतीजों की घोषणा छह अक्टूबर को की जाएगी। बाजार भागीदारों की नजर डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का रुख भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इस सप्ताह विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़े आने हैं। इसके अलावा वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़ों की भी घोषणा होगी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) सितंबर में लगातार बिकवाल बने रहे। उन्होंने कहा कि डॉलर के लगातार मजबूत रहने से एफपीआई ने भारतीय बाजार में बिकवाली की। डॉलर सूचकांक बढ़कर 107 के करीब पहुंच गया है। इसके अलावा अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल भी लगातार बढ़ रहा है। 10 साल के बॉन्ड पर प्रतिफल 4.7 प्रतिशत हो गया है। कच्चे तेल का दाम 97 डॉलर प्रति बैरल के पास है। इन सब कारकों ने भी एफपीआई की बिकवाली को बढ़ावा दिया है।

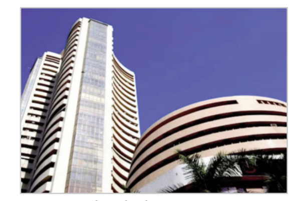

बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार कुछ प्रमुख घरेलू और वैश्विक व्यापक आर्थिक आंकड़ों से दिशा लेगा। इस सप्ताह विभिन्न देशों के एसएंडपी वैश्विक विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़े आने हैं। इसके अलावा ओपेक की बैठक भी है। अमेरिका के कारखाना ऑर्डर और बेरोजगारी दावों के आंकड़े भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक और वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे।

एयरटेल ने अपने नेटवर्क पर 50 मिलियन ग्राहकों के साथ 5जी विकास का सिलसिला जारी रखा

-सेवाएँ अब देश के सभी जिलों में उपलब्ध -

नई दिल्ली/इन्दौर ।

एयरटेल 5G प्लस के लॉन्च के 1 साल के भीतर, भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता में से एक, भारती एयरटेल (एयरटेल) ने आज घोषणा की कि उसके नेटवर्क पर 50 मिलियन से अधिक अद्वितीय 5G ग्राहक हैं। कंपनी ने यह भी घोषणा की कि एयरटेल 5G प्लस सेवाएं देश के सभी जिलों (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के जिलों, छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और लक्षद्वीप के द्वीपों को छोड़कर, जो वीएसएटी के माध्यम से जुड़े हुए हैं) में उपलब्ध हैं।

इसे देश में सबसे तेज़ रोलआउट में से एक बनाते हुए, एयरटेल 5G प्लस सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध है। बिहार के सुंदर बलिया से लेकर ओडिशा के ऐतिहासिक कटक तक, झारखंड के सबसे छोटे रामगढ़ जिले से लेकर राजस्थान के वन्यजीव प्रेमियों के लिए बिश्नोई भूमि तक, केरल के शांत सराय से लेकर कश्मीर के दलदली गांवों तक, एयरटेल के ग्राहक अब डिजिटल सुपरहाइवे पर हैं, और तेज गति का आनंद ले रहे हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, भारती एयरटेल के सीटीओ, रणदीप सेखों ने कहा, हम अपने लाखों ग्राहकों द्वारा 5G को अपनाने की गति से रोमांचित हैं और हम योजना से पहले इस मील के पत्थर तक पहुंच रहे हैं। यह एयरटेल के 5G कवरेज के एक बड़े विस्तार का प्रतीक है जो अक्टूबर 2022 में 1 मिलियन से बढ़कर लॉन्च के केवल 12 महीनों में 50 मिलियन हो गया।

विस्तार पूरी गति से जारी है और मुझे यकीन है हम तेजी से बढ़ना जारी रखेंगे क्योंकि हम राष्ट्रव्यापी कवरेज की दिशा में काम कर रहे हैं और अपने सभी ग्राहकों को 5त्र युग में प्रवेश करने में सक्षम बना रहे हैं।

पेट्रोल और डीजल कुछ राज्यों में हुआ सस्ता

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 1 फीसदी की गिरावट के साथ 90.77 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड भी 1 फीसदी कमजोर होकर 92.09 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। हालांकि इस गिरावट के बावजूद देश में फिर भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई है। देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली रूप से गिरावट आई है जबकि कुछ राज्यों में कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.77 रुपए और डीजल 94.37 रुपए प्रति लीटर, उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 96.48 रुपए और डीजल 89.55 रुपए प्रति लीटर हो गया है। बिहार में पेट्रोल 109.33 रुपए और डीजल 95.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। मध्य प्रदेश में पेट्रोल 109.95 रुपए और डीजल 94.89 रुपए प्रति लीटर हो गया है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 103.08 रुपए और डीजल 95.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। तमिलनाडु में पेट्रोल 103.58 रुपए और डीजल 95.25 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

तेल तिलहन बाजारों में कारोबार का मिलाजुला रुख रहा

- सोयाबीन डीगम तेल के थोक भाव पूर्व पूर्वस्तर पर बंद हुए

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में कारोबार का मिला जुला रुख रहा। एक ओर जहां सोयाबीन दिल्ली एवं इंदौर तेल में सुधार आया वहीं सोयाबीन डीगम तेल के थोक भाव पूर्व पूर्वस्तर पर बंद हुए। नये फसल की आवक अगले 10-15 दिनों में शुरु होने की उम्मीद के बीच सोयाबीन तिलहन में गिरावट आई। इसके अलावा सामान्य कारोबार के दौरान बिनौला तेल कीमतों में भी सुधार देखा गया। दूसरी ओर सोयाबीन तिलहन के अलावा आयातित तेलों की बहुतायत के दवाब में कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट देखी गई। सामान्य कारोबार के बीच सरसों एवं मूंगफली तेल तिलहन और सोयाबीन डीगम तेल की थोक कीमतें पूर्वस्तर पर बंद हुई। बाजार सूत्रों ने कहा कि आयातक बैंकों का भुगतान करने के दवाब में आयातित तेल लागत से कम भाव पर बेच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सोयाबीन के मामले में नई फसल की आवक जल्द शुरु होने की संभावना को देखते हुए सोयाबीन तिलहन की कीमतों में मामूली गिरावट रही। सोयाबीन दिल्ली एवं इंदौर तेल कीमतों में सुधार देखने को मिला क्योंकि इनके दाम पहले के निचले स्तर से थोड़ा उठे हैं जिससे यह सुधार दिख रहा है। तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,510-5,560 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 7,475-7,525 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 18,025 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,640-2,925 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 10,120 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,720 -1,815 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,720 -1,830 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 9,550 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,460 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,000 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 7,750 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 8,525 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 9,000 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स-कांडला 8,100 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,980-5,075 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,730-4,845 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,015 रुपए प्रति क्विंटल।

सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक है हीरो स्पलेंडर

नई दिल्ली ।

देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक हीरो स्पलेंडर है। आपके बजट में आने वाली इस बाइक को आप आसानी से खरीद सकते हैं। इसके लिए आपको पैसों की भी जररूत नहीं होगी और आसानी से ऑन रोड फाइनेंस आपको इस पर मिल जाएगा। अब बात की जाए माइलेज की तो ये बेस्ट इन क्लास माइलेज देती है। वहीं इसकी मेंटेनेंस भी बहुत कम है। हम यहां पर बात कर रहे हैं हीरो स्पलेंडर की। माइलेज की बात की जाए तो स्पलेंडर को इसमें सभी का बॉस कहा जाए तो गलत नहीं होगा। कीमत में भी ये काफी वाजिब है और इसको आप केवल 73 हजार रुपये एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं। स्पलेंडर के इंजन की बात की जाए तो ये आपको 97.2 सीसी, एयर कूल्ड 4 स्ट्रोक सिंगल सिलेंडर इंजन के साथ आती है। मोटरसाइकिल का इंजन आपको 8.02 बीएचपी की पावर और 8.05 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करती है। माइलेज की बात की जाए तो ये 75 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज आपको देगी। बता दें कि त्योहारी सीजन आने को है। लोग इस दौरान नई गाड़ियां खरीदने की प्लानिंग करते हैं। खासकर नई मोटरसाइकिलों की बिक्री का दौर अब आसमान छुएगा।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से भारतीय बाजार में रहेगा उथल पुथल

नई दिल्ली।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण घरेलू मुद्रास्फीति के बढ़ने के जोखिम को देखते हुए आने वाले समय में अस्थिरता बनी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि निवेशक अन्य संकेतकों के अलावा घरेलू, अमेरिकी और चीनी पीएमआई डेटा की रिलीज पर बारीकी से नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मुद्रास्फीति के दबाव के कारण बढ़ती चिंताओं के बीच, जो फेड द्वारा दरों में एक और बढ़ोतरी की आशंकाओं से बढ़ी है, घरेलू बाजार में पूरे सप्ताह उथल पुथल जारी रहेगा। अमेरिकी बांड यील्ड में वृद्धि और भारतीय रुपये में अस्थिरता ने विदेशी निवेशकों के लिए घरेलू सूचकांकों के आकर्षण को और कम कर दिया है। इसके अलावा, कम तरलता और खरीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए उत्प्रेरकों की कमी के कारण, बाजार को उच्च स्तर पर मजबूत प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। पूरे सप्ताह, आईटी शेयरों ने प्रतिकूल वैश्विक संकेतों के कारण कमजोर प्रदर्शन किया, जबकि फार्मा क्षेत्र में मजबूत खरीददारी देखी गई। निवेशकों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के जवाब में

रक्षात्मक रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, फिर भी बाजार ने औद्योगिक विकास की स्वस्थ गति के कारण सकारात्मक रुख के साथ सप्ताह का समापन किया। कोर सेक्टर में सालाना आधार पर 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, सोमवार को गांधी जयंती के अवसर पर भारतीय बाजार बंद रहेंगे। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर हम उम्मीद करते हैं कि आगे बाजार व्यापक दायरे में कारोबार करेगा क्योंकि तेल की ऊंची कीमत ने मुद्रास्फीति पर चिंता को फिर से बढ़ा दिया है और इसके चलते लंबे समय तक उच्च ब्याज दर का माहौल बना रह सकता है। ऑटो स्टॉक फोकस में रहेंगे क्योंकि कंपनियां मासिक बिक्री संख्या की घोषणा करेंगी। ब्याज दर के प्रति संवेदनशील क्षेत्र भी फोकस में रहेगा, क्योंकि आरबीआई की नीति बैठक अगले सप्ताह होने वाली है। उन्होंने कहा कि निवेशक वैश्विक स्तर पर जारी होने वाले कुछ आंकड़ों से भी संकेत लेंगे।

हर मिनट 142,690 डॉलर कमाने के दावे पर मस्क ने कहा- भारी नुकसान उठाता हूं

नई दिल्ली।

टेक अरबपति एलन मस्क ने रविवार को उन खबरों का खंडन किया कि वह हर मिनट 142,690 डॉलर या प्रति घंटे 8,560,800 डॉलर कमाते हैं। उन्होंने कहा कि जब भी टेस्ला के स्टॉक में गिरावट आती है तो वह अधिक पैसा गवां देते हैं।एक यूजर को जवाब देते हुए, एक्स के मालिक ने कहा कि ऐसी रिपोर्ट मूर्खतापूर्ण मैट्रिक्स पर निर्भर करती हैं। मस्क ने पोस्ट किया, यह नकदी का ढेर नहीं है। वास्तव में मेरे पास उन कंपनियों में स्टॉक हैं जिन्हें बनाने में मैंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि तकनीकी रूप से, हर बार टेस्ला के स्टॉक में बेतरतीब गिरावट से उन्हें कहीं अधिक नुकसान होता है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि तीन साल की अवधि के दौरान मस्क की कुल संपत्ति औसतन लगभग 2,378 डॉलर प्रति सेकंड बढ़ी। रिपोर्ट में दावा किया, यह प्रति मिनट 142,680 डॉलर या प्रति घंटा 8,560,800 डॉलर है। अगर वह आठ घंटे के लिए बिस्तर पर जाते हैं, तो अगली सुबह वह उठते है और खुद को 68,486,400 डॉलर अधिक अमीर पाते है। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने जनवरी

से जून 2023 तक अपनी कुल संपत्ति में 96.6 बिलियन डॉलर की वृद्धि दर्ज की। वह वर्तमान में 248.7 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे अमीर आदमी हैं। टेस्ला में मस्क की फिलहाल 23 फीसदी हिस्सेदारी है। उनकी संपत्ति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, लगभग दो-तिहाई, टेस्ला की सफलता से जुड़ा है। मस्क ने अक्टूबर, 2022 में तब सुर्खियां बटोरीं, जब उन्होंने ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदा और फिर उसका नाम एक्स रख दिया। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला के शेयरों में हालिया गिरावट के बाद मस्क की संपत्ति गिरकर 137 अरब डॉलर हो गई है। उनकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी के शेयर करीब 65 फीसदी नीचे चले गए हैं। नवंबर 2021 में मस्क की संपत्ति चरम पर थी, जो भारी गिरावट से पहले 340 अरब डॉलर तक पहुंच गई थी।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशियाई खेल : शॉटपुट में तजिंदर ने जीता स्वर्ण

हांगझोऊ । भारत के तजिंदर पाल सिंह ने रविवार को एशियाई खेलों के आठवें दिन पुरुषों की शॉटपुट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। तजिंदर ने फाइनल थ्रो में 20.36 मीटर गोला फेंककर पहला स्थान हासिल किया। इससे भारतीय प्रशंसकों में खुशी की लहर छा गयी। तजिंदर ने भारत को एशियाई खेलों की एथलेक्सि स्पर्धा में दूसरा स्वर्ण जिताया है। इससे पहले स्टीपलचेज में अविनाश साबले ने 8 : 19 . 50 सेकंड में रेस पुरी कर स्वर्ण पदक जीता था। अब भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या 13 हो गयी है जबकि भारत के कुल पदक 45 पदक हो गए हैं।

महिला हॉकी में भारत और कोरिया के बीच रोमांचक मैच ड्रॉ

हांगझोऊ-

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेलों के अपने तीसरे पूल ए मैच में कोरिया के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 1-1 से रोमांचक ड्रा खेला। भारत के लिए नवनीत कौर (44) और कोरिया के लिए हेजिन सीएचओ (12) ने गोल किया। दोनों टीमों ने शुरुआत से ही आक्रामकता दिखाई और कोरिया के पास शुरुआती बढ़त लेने का मौका था, लेकिन भारतीय टीम की उप कप्तान और डिफेंडर दीप ग्रेस एक्का ने गोल लाइन पर शानदार बचाव करते हुए कोरिया को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद भारत अधिकांश कब्जे को नियंत्रित करते हुए तेजी से पासिंग लय में आ गया और संगीता कुमारी को भारत को बढ़त दिलाने का अच्छा मौका भी मिला क्योंकि वह कोरिया की रक्षा पंक्ति को पार कर चुकी थी और उन्हें अपने गोलकीपर को हराना था लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकीं। इस प्रकार उनका शॉट निशाने पर था और वह एक बड़ा मौका चूक गया। इस बीच कोरिया ने जवाबी हमला करना शुरू कर दिया और इसका फायदा उन्हें तब मिला जब उन्होंने पेनल्टी स्ट्रोक जीता, जिसे हाइजिन सीएचओ (12) ने बिना किसी कठिनाई के गोल में बदल दिया।

इसके बाद भारत ने बराबरी की तलाश में अपनी गति बढ़ा दी। कई मौकों पर भारत स्कोर करने के करीब भी आया, लेकिन टीम सफल नहीं हुई और पहला क्वार्टर कोरिया के 1-0 की बढ़त के साथ समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में भारत ने स्कोर बराबर करने के प्रयास में तेज शुरुआत की, जिसके कारण उन्होंने दो पेनल्टी कॉर्नर भी जीते, लेकिन उनमें से किसी का भी फायदा उठाने में असफल रहे। साथ ही, संगीता कुमारी के पास एक बार फिर गोलकीपर को छकाते हुए बराबरी का गोल करने का बड़ा मौका था लेकिन उनका शॉट लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाया। अपनी बढ़त का फायदा उठाने के लिए कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में एक मजबूत आक्रामक प्रयास किया, जिससे शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसे गोल में नहीं बदल सका। इस बीच भारत बराबरी करने के लिए प्रतिबद्ध रहा और तेज आक्रमण कर कोरिया की रक्षा को दबाव में रखा और इसका फायदा उन्हें मिला जब नवनीत कौर (44) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर भारतीय टीम को बराबरी पर

ला दिया।तीसरा क्वार्टर 1-1 के स्कोर के साथ समाप्त हुआ। बराबरी का गोल करने के बाद भारत ने मैच के चौथे और अंतिम क्वार्टर में जोरदार प्रदर्शन किया। हालांकि, कोरिया ने न केवल दबाव को अच्छी तरह से झेला बल्कि भारत को कड़ी चुनौती दी।भारतीय टीम ने विजयी गोल की तलाश में जवाबी हमला करना शुरू कर दिया और खेल के अंतिम मिनटों में पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया, लेकिन वह इसे गोल में नहीं बदल पाए। अंतिम क्वार्टर में दोनों टीम एक भी गोल नहीं कर पाई और इस तरह मैच 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।भारतीय टीम जो अब तक अजेय है, वर्तमान में पूल ए अंक तालिका में तीन मैचों में सात अंकों के साथ शीर्ष पर है। भारत अपने आखिरी पूल ए मैच में मंगलवार को हांगकांग चीन से भिड़ेगा।

एशियाई खेलों में भारतीय महिला मुक्केबाज परवीन ने जीता कांस्य, जैस्मीन हारी

हांगझोउ ।

एशियाई खेलों की मुक्केबाजी स्पर्धा में रविवार को भारतीय महिला मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने कांस्य पदक जीता है। परवीन को इसी के साथ ही ओलंपिक कोटा भी मिल गया है। परवीन ने महिलाओं की 57 किग्रा स्पर्धा के में तीसरा स्थान हासिल किया। परवीन ने क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की सितोरा तर्डिबेकोवा को सर्वसम्मत फैसले से हराया। परवीन अपने मुकाबले में शुरू से ही लय में नजर आयीं। उन्होंने अपनी लंबाई का पूरा लाभ उठाते हुए विरोधी मुक्केबाज पर जमकर हमला बोला। परवीन ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया पर बीच में उज्बेक मुक्केबाज सितोरा को अपने करीब आने का अवसर देने के बाद प्रहार करना शुरु कर दिया। वहीं विरोधी मुक्केबाज ने भी इस दौरान कुछ अच्छे मूव बनाकर परवीन को पंच लगाये पर ये पर्याप्त नहीं थे। दूसरी ओर एक अन्य मुकाबले में राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता भारत की जैस्मीन लम्बोरिया 60 किग्रा क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उत्तर कोरिया की मुक्केबाज वोन उन्गयोंग से दूसरे दौर में हार के साथ ही

बाहर हो गईं। जैस्मीन ने पहला दौर 5-0 से अपने नाम किया। इसके बाद जैस्मीन की लय भंग हो गयी और इसी का लाभ उठाकर वोन ने उन्हें करारे हुक्स तथा जैब्स लगा दिये। जैस्मीन इसके बाद बचाव की मुद्रा में आ गई और इसका फायदा उठाते हुए वोन ने उन्हें और पंच लगाए जिससे वह एक-एक कर तीन बार कोर्ट में गिर गई। तीसरी बार कोर्ट में गिरने के बाद वोन को विजेता घोषित कर दिया गया।

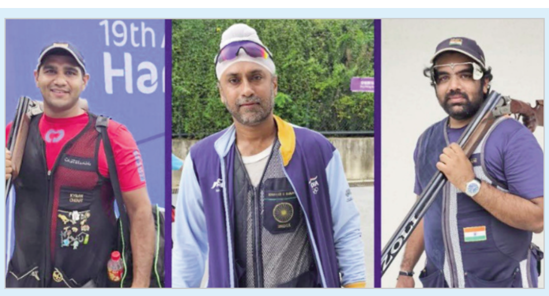

एशियाई खेल : भारतीय पुरुष निशानेबाजी टीम ने स्वर्ण जीता

महिला टीम को मिला रजत

हांगझोऊ । एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों के पदक जीतने का सिलसिला जारी है। आठवें दिन रविवार को भी भारतीय निशानेबाजों ने स्वर्ण पर निशाना लगाया। भारत ने आज एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। डबल ट्रैप में पुरुष निशानेबाजों पृथ्वीराज टोंडिमन, डेरियस चेनाई और ज़ोरावर संधू की टीम ने पहला स्थान हासिल करते हुए स्वर्ण जीता। वहीं महिला वर्ग में मनीषा कीर, राजेश्वरी कुमारी और प्रीति रजक की टीम ने भी डबल ट्रैप में में रजत पदक अपने नाम किया। पुरुष वर्ग में भारतीय निशाने बाजों ने 361 अंकों का स्कोर बनाया। यह एशियाई खेलों में ट्रैप शूटिंग में किसी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। वहीं रविवार को भारत को पहला पदक महिला गोल्फर अदिति अशोक ने दिलाया। वह एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर हैं। भारत ने अब तक एशियाई खेलों में 11 स्वर्ण, 16 रजत और 14 कांस्य पदक जीते हैं।

एशियाई खेल: चीनी अधिकारियों की बाधा पार करते हुये ज्योति ने 100 मीटर बाधा दौड़ में रजत जीता

हांगझोऊ।

भारत की ज्योति याराजी ने एशियाई खेलों की एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में नाटकीय अंदाज में रजत पदक जीता। इससे पहले दौड़ अधिकारियों ने उन्हें चीनी प्रतिद्वंद्वी वू यान्नी के साथ अयोग्य घोषित करने का प्रयास किया, जिन्होंने गलत शुरुआत की थी। चीनी अधिकारियों ने ज्योति को भी अयोग्य घोषित करने की कोशिश की, हालांकि वह चीनी धावक की तुलना में धीमी थी। लेकिन बाद में ज्योति के विरोध के बाद अधिकारियों ने दोनों को प्रतिस्पर्धा की अनुमति दे दी। ज्योति ने दौड़ में भाग लिया और 12.91 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पहले अयोग्य घोषित की गई चीनी धाविका ज्योति से आगे दूसरे स्थान पर रही।लेकिन रेस पूरी होने के कुछ मिनट बाद ही भारतीय अधिकारियों ने विरोध जताया। अधिकारियों ने अंततः चीनी धावक यानि वू को अयोग्य घोषित कर दिया और ज्योति के पदक को रजत में अपग्रेड कर दिया। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की वरिष्ठ अध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज ने कहा, एक एथलीट के रूप में अपने पूरे जीवन में मैंने ऐसा कभी नहीं देखा - अधिकारी पहले किसी एथलीट को अयोग्य ठहराते हैं और फिर उसे वापस लाते हैं। उन्होंने ज्योति को बाहर निकालने की कोशिश की लेकिन उसने कोई गलत शुरुआत नहीं की, उसके हाथ ट्रैक को छू रहे थे। चीनी धाविका पहले से ही एक कदम

आगे थी। हमने तुरंत विरोध दर्ज कराया। भारतीयों का विरोध काम कर गया और अधिकारियों ने अंततः सही निर्णय लिया। लेकिन ऐसा लगता है कि पूरे नाटक और उसे अयोग्य घोषित करने के अवैध प्रयास का ज्योति पर असर पड़ा क्योंकि वह अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे सकी। ज्योति ने बाद में मिश्रित क्षेत्र में मीडिया से कहा, मुझे नियमों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन मैं स्पष्ट थी कि मैंने गलत शुरुआत नहीं की थी।

संक्षिप्त समाचार

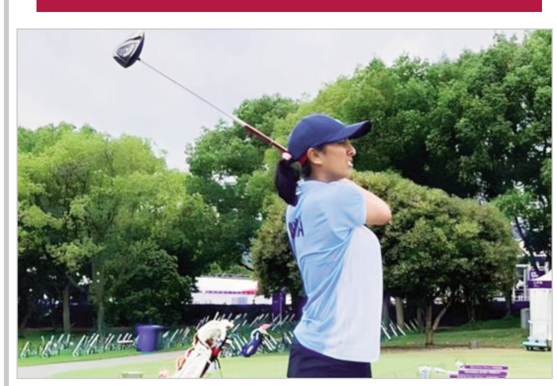

एशियाई खेल : अदिति को मिला रजत

हांगझोउ । भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक को एशियाई खेलों में रजत से ही संतोष करना पड़ा है। इस प्रकार महिला गोल्फ में भारत ने पहला पदक हासिल किया है। अदिति अंतिम दौर में अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख पायीं और मुकाबले में 73 का कार्ड खेलकर दूसरा स्थान ही हासिल कर पायीं। अदिति को तीसरे दौर के बाद अंक तालिका में सात शॉट की बड़ी बढ़त हासिल हुई थी पर वह एक बर्डी के मुकाबले चार बोगी और एक डबल बोगी के साथ इस बढ़त को बरकरार नहीं रख पायीं। इस प्रकार अदिति कुल 17 अंडर 271 का स्कोर ही बना सकीं। वहीं थाईलैंड की अर्पिचया युबोल ने 64 का कार्ड खेल कर स्वर्ण पदक जीता जबकि कोरिया की ह्युनजो यू ने भी 65 का कार्ड खेलकर कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं भारत की दो अन्य महिला गोल्फर प्राणवी उर्स (13वां स्थान) और अवनी प्रशांत (संयुक्त 18वां स्थान) भी अंतिम दिन प्रभावित नहीं कर पायीं। प्राणवी ने 75 जबकि अवनी ने 76 का कार्ड खेला। इससे भारतीय खिलाड़ी टीम स्पर्धा में चौथे स्थान पर खिसक गयी। इस प्रकार कांस्य पदक भारतीय टीम के हाथों से फिसल गया।

विश्वकप में सबसे बदनसीब टीम रही है दक्षिण अफ्रीका

नई दिल्ली । पांच अक्टूबर से शुरु होने वाले विश्वकप को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों में उत्साह बढ़ता जा रहा है। विश्वकप के अभ्यास मुकाबले शुरु होने के साथ ही एक प्रकार से इसका आगाज भी हो गया है। विश्वकप का पहला मुकाबला पांच अक्टूबर को गत विजेता इंग्लैंड और उपविजेता न्यूजीलैंड के बीच होगा। विश्वकप को लेकर अनुमानों का दौर जारी है। इसी के तहत ही दक्षिण अफ्रीका के सेमीफाइनल में पहुंचने की बात भी दिग्गजों ने कही है। दक्षिण अफ्रीकी टीम पहले भी कई बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचीं है पर बदकिस्मती के कारण उससे आगे नहीं बढ़ पायी है। इसी कारण इस टीम को चोकर्स भी कहा जाता है। साल 1999 में भी टीम विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के बिल्कुल करीब पहुंचकर रह गयी। तब कए छोटी सी गलती से वह बाहर हो गयी थी। अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में 1 रन लेने के चक्कर में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रन आउट हो गये। तब ये रोमांचक सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच बर्मिंघम में खेला गया था। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में जीत के लिए 9 रन की जरुरत थी जबकि उसके 9 विकेट गिर गये थे। अंतिम जोड़ी लांस क्लूजनर और एलन डोनाल्ड की थी। मैच का अंतिम ओवर डेमियन फ्लेमिंग ने फेंका। उनकी पहली दो गेंद पर लांस क्लूजनर ने दो चौके लगाकर मैच को दक्षिण अफ्रीका के हाथ में ला दिया था पर मैच टाई हो गया। इस ओवर की तीसरी गेंद पर कोई रन नहीं आया. अब तीन गेंदों पर दक्षिण अफ्रीका को 1 रन की जरुरत थी और उसकी जीत पक्की दिख रही थी। चौथी गेंद पर क्लूजनर ने मिड ऑन की तरफ शॉट खेलकर एक रन के लिए दौड़ लगा दी लेकिन खराब तालमेल के कारण डोनाल्ड रन ही नहीं पूरा कर पाए और रन आउट हो गए। इस प्रकार मैच टाई हो गया और अच्छे रन रेट के कारण ऑस्ट्रेलिया को जीत दे दी।

एशियाई खेल : कार्तिक कुमार ने रजत, गुलवीर ने कांस्य पदक जीता, 400 मीटर दौड़ में कोई पदक नहीं

हांगझोऊ।

यहां शनिवार को ओलंपिक स्टेडियम में भारत ने शनिवार को एशियाई खेलों की ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिताओं में दो अप्रत्याशित पदक जीते, जब दूरी के धावक कार्तिक कुमार और गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता, जबकि देश को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। पुरुषों और महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में कोई पद नहीं मिला। कार्तिक और गुलवीर ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों के 19वें संस्करण में बहरीन के बिरहानु यमाताव बालेव को पीछे छोड़ते हुए भारत को 2-3 से पहला स्थान दिलाया। उत्तर प्रदेश के 24 वर्षीय आर्मीमैन कार्तिक, जो गुलवीर के साथ पिछले साल के अंत में रिलायंस फाउंडेशन के हाई-परफॉर्मेंस कार्यक्रम में शामिल हुए थे, ने 28 मिनट 15.38 का समय लेकर रजत पदक जीता, जबकि गुलवीर ने 28॰17.21 का समय लेकर रजत पदक जीता। कांस्य पदक। बलेव ने 28॰13.62 का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। उनकी टाइमिंग भारतीय सर्वकालिक दूसरी और तीसरी सबसे अच्छी टाइमिंग है और उनके कोच सुरेंद्र सिंह द्वारा 2008 में बनाए गए राष्ट्रीय रिकॉर्ड - 28॰02.89 के बाद वे अगले स्थान पर हैं। कार्तिक और गुलवीर दोनों का यह शानदार प्रदर्शन था, क्योंकि उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। यह लगातार दूसरा दिन है जब भारत ने ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिताओं से ऐसा पदक जीता है जिसकी उन्हें उम्मीद नहीं थी। किरण बलियान ने शुक्रवार को महिलाओं की गोला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। कार्तिक ने तेज शुरुआत की और पहला 1000 मीटर 2॰51.76 में पूरा किया और 2000 मीटर के समय में आगे रहे, उन्होंने इसे 5॰45.70 में पूरा किया। जापान के रेन ताज़ावा 17॰06.48 के समय के साथ 6000 मीटर तक आगे रहे। साथी जापानी कजुर्या शोजिरी ने इसके बाद कार्यभार संभाला, इससे पहले कि वह अंतिम कुछ लैप्स में पीछे रह जाते, बलेव ने 1000 मीटर के साथ फिनिश के लिए कार्यभार संभाला। कार्तिक और गुलवीर उनके पीछे रहे और क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

विराट के पास विश्वकप में सचिन का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट अपना अंतिम विश्वकप खेल रहे हैं। विराट अभी करीब 35 साल के हो गये हैं और ऐसे में अगले विश्वकप तक वह उनके खेलने की कोई संभावनाएं नहीं हैं। विश्वकप में भारतीय टीम को विराट से बड़ी परियों की उम्मी रहेगी। विराट ने हमेशा ही नये रिकार्ड बनाये हैं। ऐसे में वह इस विश्वकप में भी अहम उपलब्धियां हासिल करना चाहेंगे। विराट इस समय जबरदस्त फार्म में हैं जिससे उनके प्रशंसकों में भी उत्साह है। इस विश्वकप में विराट की नजरें कई बड़े रिकाडों पर रहेंगी। इस विश्वकप के दौरान महान सचिन तेंदुलकर का जो बड़ा रिकॉर्ड विराट के निशाने पर होगा, वह है एकदिवसीय में सबसे अधिक शतक का। विराट ने अब तक 281 मैचों में 47 शतक लगाये हैं। ये सचिन के कुल एकदिवसीय शतकों 49 से केवल दो ही कम है। विराट अब दो शतक बनाते ही सचिन के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे और तीन शतक बनाते ही सचिन के 49 एकदिवसीय शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। विश्वकप में विराट कोहली के पास से रिकार्ड तोड़ने के लिए पर्याप्त संख्या में मैच भी हैं। इस टूर्नामेंट में भाग ले रही हर टीम हर टीम को 9-9 मैच खेलने हैं, इसके बाद शीर्ष की चार टीमें, सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। टीम इंडिया को सेमीफाइनल,यहां तक कि फाइनल का भी दावेदार माना जा रहा है। ऐसे में विराट को 9 से अधिक मैच खेलने को मिल सकते हैं जिसमें यदि वे तीन शतक बनाने में सफल हुए तो सचिन का रिकॉर्ड पीछे छोड़ देंगे। विराट के प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह हर हाल में नये रिकार्ड बनायेंगे। उनहोंनें पिछली चार एकदिवसीय पारियों में एक शतक और एक अर्धशतक लगाया है। ये उनके शानदार फॉर्म में होने का संकेत है। आंकड़ों पर नजर डालें तो विश्वकप में उनका अब तक का प्रदर्शन विशेष नहीं रहा। उन्होंने 2011, 2015 और 2019 के विश्वकप खेले हैं पर वह किसी में भी एक से अधिक शतक नहीं लगा पाये हैं।वर्ष 2011 के विश्वकप में उन्होंने 9 मैचों में एक शतक की सहायता से 282 रन नाए थे। वहीं इसी प्रकार साल 2015 के विश्वकप में उन्होंने आठ मैचों में एक शतक की मदद से 305 रन और 2019 के विश्वकप के 9 मैचों में 55.37 के औसत से 443 रन बनाए थे। इसमें पांच अर्धशतक शामिल थे।

लुइस सुआरेज ने फोर्टलेज़ा के खिलाफ ग्रेमियो के लिए अंक हासिल किया

रियो डी जनेरियो। लुइस सुआरेज के गोल की मदद से ग्रेमियो ने ब्राजील की सीरी ए चैंपियनशिप में फोर्टालेजा को 1-1 से बराबरी पर रोका और एक अंक हासिल किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, अनुभवी थियागो गैलार्डो ने हाफटाइम से ठीक पहले पेनल्टी स्पॉट से फोर्टलेज़ा को बढ़त दिला दी, लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा ग्रेमियो अधिक एकजुट दिखे और दूसरे हाफ में कई मौकों के साथ गोल करने के करीब पहुंच गए। फिर, सुआरेज़ ने अंतिम क्षणों में मेजबान टीम के डिफेंस को तोड़ते हुए गोल दागा। ग्रेमियो ब्राज़ील की 20-टीम सीरी ए तालिका में 25 खेलों में 44 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, वह शीर्ष पर चल रहे बोटाफोगो से सात अंक पीछे है। शनिवार को ब्राजीलियाई सीरी ए के अन्य मुकाबलों में, फ्लामेंगो ने बाहिया के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर 1-0 से जीत हासिल की। साओ पाउलो ने कोरिंथियंस के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर 2-1 से जीत हासिल की, कुइआबा ने फ्लुमिनेंस के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर 3-0 से जीत दर्ज की और एटलेटिको माइनिरो ने इंटरनैशनल में 2-0 से जीत दर्ज की।

एकदिवसीय विश्वकप : 10 स्टेडियमों में खेले जाएंगे 48 मैच

मुम्बई ।

भारत में 5 अक्टूबर से शुरु होने वाले आईसीसी एकदिवसीय विश्कप क्रिकेट के लिए सभी टीमें तैयार हैं। अभ्यास मुकाबले शुरु होने से टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ गया है। इस टूर्नामेंट के शुरुआत मुकाबला गत विजेता इंग्लैंड और उपविजेता न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है जबकि फाइनल भी 19 नवंबर को अहमदाबाद में होगा। देश भर में 10 स्टेडियम में टूर्नामेंट के 48 मैच होने हैं। विश्व कप 2023 की बात करें, 10 टीमों के बीच 5 अक्टूबर से 10 नवंबर तक मुकाबले खेले जाने हैं। इसमें भाग लेने वाली सभी टीमों को राउंड रॉबिन में 10-10 मैच खेलने हैं। इसके बाद शीर्ष टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी। ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 5 बार वनडे विश्वि कप का खिताब जीता है। वहीं मेजबान भारतीय टीम ने दो बार ये खिताब जता है। वहीं शुरुआत दो बार विश्वकप की विजेता रही वेस्टइंडीज इस बार क्वालिफाई नहीं कर पायी है। विश्वकप में सभी टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी पर इस बार भारत, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया ओर पाकिस्तान को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। गत उपविजेता न्यूजीलैंड टीम को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। अब अगले ड़ेढ़ माह तक लोगों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली, ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्वीव स्मिथ , डेविड वॉर्नर व मिचेल स्टार्क,

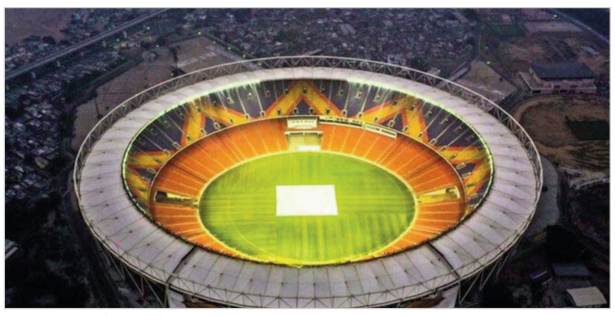

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन, बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के लिए ये अंतिम विश्वकप होगा। वहीं इस टूर्नामेंट में पहली बार दो बार की विश्वकप विजेता वेस्टइंडीज नहीं नजर आयेगी। वेस्टइंडीज इस बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई ही नहीं कर पायी है।

वर्ल्ड कप में भारत को रोकना बहुत मुश्किल : स्टुअर्ट ब्रॉड

नई दिल्ली। इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि भारत विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार है और अगर टूर्नामेंट में सब कुछ मेजबान टीम की योजना के अनुसार हुआ, तो उन्हें रोकना बहुत मुश्किल है। भारत ने आखिरी बार वनडे विश्व कप तब जीता था जब वे इंग्लैंड में 1983 संस्करण जीतने के बाद 2011 में टूर्नामेंट के सह-मेजबान थे। इस बार भारत वर्ल्ड कप के सभी मैचों की मेजबानी अकेले करेगा और घर में भारत को चुनौती देना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होने वाला। पिछले महीने एशिया कप पर कब्जा जमाने के बाद भारत की नजर वर्ल्ड कप पर है। कई एक्सपर्ट और दिग्गज क्रिकेटरों का मानना है कि टीम इंडिया आईसीसी ट्रॉफी का सूखा जल्द खत्म कर देगी। भारत अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी। स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा, अगर इंग्लैंड अपना विश्व कप खिताब बरकरार रखने में कामयाब होता है। तो यह शानदार होगा, लेकिन मुझे लगता है कि अगर भारत अपना आदर्श टूर्नामेंट खेलता है तो उन्हें रोकना बहुत मुश्किल है। जोस बटलर के पास निश्चित रूप से चुनौती देने वाली टीम है, जिसमें उच्च स्कोर बनाने की क्षमता है लेकिन मुझे लगता है कि मेजबान और शीर्ष क्रम की वनडे टीम के रूप में भारत के लिए इससे पार पाना बेहद मुश्किल होगा। डेली मेल ने ब्रॉड के हवाले से बताया, हाल का इतिहास आपको दिखाता है कि घरेलू टीमें 50 ओवर के विश्व कप में शानदार होती हैं। यह 2011 में भारत में था, और भारत की जीत हुई, 2015 में फाइनल ऑस्ट्रेलिया में था और ऑस्ट्रेलिया ने ट्रॉफी जीती। इंग्लैंड ने 2019 में जीत हासिल की। इसलिए, भारत को भी इसका फायदा मिलेगा।

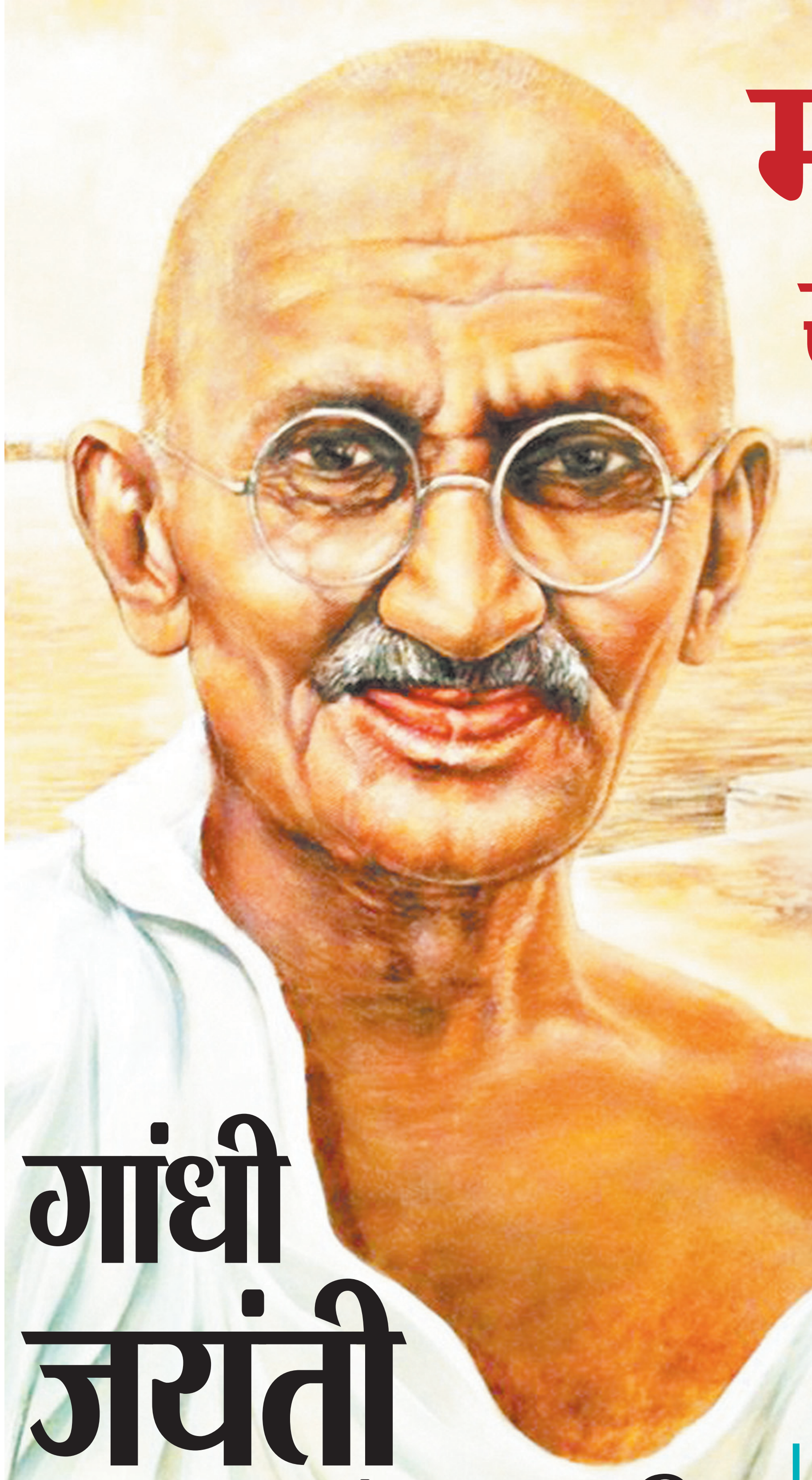

महात्मा गांधी स्वतंत्र भारत के पिता

भारत के राष्ट्रपिता मोहनदास कर्मचंद गांधी जिन्हें बापू या महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, के जन्म दिन 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वस्तुतः गांधीजी विश्व भर में उनके अहिंसात्मक आंदोलन के लिए जाने जाते हैं, और यह दिवस उनके प्रति वैश्विक स्तर पर सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है।

मोहनदास करमचंद गांधी (2 अक्तूबर 1869 – 30 जनवरी 1948) भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। वे सत्याग्रह – व्यापक सविनय अवज्ञा के माध्यम से अत्याचार के प्रतिकार के अग्रणी नेता थे, उनकी इस अवधारणा की नींव संपूर्ण अहिंसा पर रखी गई थी जिसने भारत को आजादी दिलाकर पूरी दुनिया में जनता के नागरिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता के प्रति आंदोलन के लिए प्रेरित किया।उन्हें दुनिया में आम जनता महात्मा गांधी के नाम से जानती है। संस्कृत- महात्मा अथवा महान आत्मा एक सम्मान सूचक शब्द जिसे सबसे पहले रवीन्द्रनाथ टेगौर ने प्रयोग किया और भारत में उन्हें बापू के नाम से भी याद किया जाता है। उन्हें सरकारी तौर पर राष्ट्रपिता का सम्मान दिया गया है 2 अक्टूबर को उनके जन्म दिन राष्ट्रीय पर्व गांधी जयंती के नाम से मनाया जाता है और दुनियाभर में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के नाम से मनाया जाता है। सबसे पहले गांधी ने रोजगार अहिंसक सविनय अवज्ञा प्रवासी वकील के रूप में दक्षिण अफ्रीका, में भारतीय समुदाय के लोगों के नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष हेतु प्रयुक्त किया। 1915 में उनकी वापसी के बाद उन्होंने भारत में किसानों , कृषि मजदूरों और शहरी श्रमिकों को अत्याधिक भूमि कर और भेदभाव के विरूद्ध आवाज उठाने के लिए एकजुट किया। 1921 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बागडोर संभालने के बाद गांधी जी ने देशभर में गरीबी से राहत दिलाने, महिलाओं के अधिकारों का विस्तार, धार्मिक एवं जातीय एकता का निर्माण, आत्म-निर्भरता के लिए अस्पृश्यता का अंत आदि के लिए बहुत से आंदोलन चलाएं। किंतु इन सबसे अधिक विदेशी राज से मुक्ति दिलाने वाले स्वराज की प्राप्ति उनका प्रमुख लक्ष्य था। गाँधी जी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों पर लगाए गए नमक कर के विरोध में 1930 में दांडी मार्च और इसके बाद 1942 में , ब्रिटिश भारत छोड़ो आन्दोलन छेडकर भारतीयों का नेतृत्व कर प्रसिद्धि प्राप्त की। दक्षिण अफ्रीका और भारत में विभिन्न अवसरों पर कई वर्षों तक उन्हें जेल में रहना पड़ा। गांधी जी ने सभी परिस्थितियों में अहिंसा और सत्य का पालन किया और सभी को इनका पालन करने के लिए वकालत भी की। उन्होंने आत्म-निर्भरता वाले आवासीय समुदाय में अपना जीवन गुजारा किया और पंरपरागत भारतीय पोशाक धोती और सूत से बनी शॉल पहनी जिसे उसने स्वयं ने चरखे पर सूत कात कर हाथ से बनाया था। उन्होंने सादा शाकाहारी भोजन खाया और आत्मशुद्धि तथा सामाजिक प्रतिकार दोनों के लिए लंबे-लंबे उपवास भी किए।

गांधी दक्षिण अफ्रीका में (1895)

दक्षिण अफ्रीका में गान्धी को भारतीयों पर भेदभाव का सामना करना पड़ा। आरम्भ में उन्हें प्रथम श्रेणी कोच की वैध टिकट होने के बाद तीसरी श्रेणी के डिब्बे में जाने से इन्कार करने के लिए ट्रेन से बाहर फेंक दिया गया था। इतना ही नहीं पायदान पर शेष यात्रा करते हुए एक यूरोपियन यात्री के अन्दर आने पर चालक की मार भी झेलनी पड़ी। उन्होंने अपनी इस यात्रा में अन्य भी कई कठिनाइयों का सामना किया। अफ्रीका में कई होटलों को उनके लिए वर्जित कर दिया गया। इसी तरह ही बहुत सी घटनाओं में से एक यह भी थी जिसमें अदालत के न्यायाधीश ने उन्हें अपनी पगड़ी उतारने का आदेश दिया था जिसे उन्होंने नहीं माना। ये सारी घटनाएँ गान्धी के जीवन में एक मोड़ बन गई और विद्यमान सामाजिक अन्याय के प्रति जागरुकता का कारण बनीं तथा सामाजिक सक्रियता की व्याख्या करने में मददगार सिद्ध हुईं। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों पर हो रहे अन्याय को देखते हुए गान्धी ने अंग्रेजी साम्राज्य के अन्तर्गत अपने देशवासियों के सम्मान तथा देश में स्वयं अपनी स्थिति के लिए प्रश्न उठाये।

1906 के ज़ुलु युद्ध में भूमिका

1906 में, दक्षिण अफ्रीका में नए चुनाव कर के लागू करने के बाद दो अंग्रेज अधिकारियों को मार डाला गया। बदले में अंग्रेजों ने जूलू के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। गांधी जी ने भारतीयों को भर्ती करने के लिए ब्रिटिश अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रेरित किया। उनका तर्क था अपनी नागरिकता के दावों को कानूनी जामा पहनाने के लिए भारतीयों को युद्ध प्रयासों में सहयोग देना चाहिए। तथापि, अंग्रेजों ने अपनी सेना में भारतीयों को पद देने से इंकार कर दिया था। इसके बावजूद उन्होने गांधी जी के इस प्रस्ताव को मान लिया कि भारतीय घायल अंग्रेज सैनिकों को उपचार के लिए स्टेचर पर लाने के लिए स्वैच्छा पूर्वक कार्य कर सकते हैं। इस कोर की बागडोर गांधी ने थामी। 21 जुलाई 1906 को गांधी जी ने इंडियन ओपिनिय में लिखा कि 23 भारतीय निवासियों के विरूद्ध चलाए गए आप्रेशन के संबंध में प्रयोग द्वारा नेटाल सरकार के कहने पर एक कोर का गठन किया गया है। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों से इंडियन ओपिनियन में अपने कॉलमों के माध्यम से इस युद्ध में शामिल होने के लिए आग्रह किया और कहा, यदि सरकार केवल यही महसूस करती हे कि आरक्षित बल बेकार हो रहे हैं तब वे इसका उपयोग करेंगे और असली लड़ाई के लिए भारतीयों का प्रशिक्षण देकर इसका अवसर देंगे।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए संघर्ष

1915 में, गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत में रहने के लिए लौट आएं।उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों पर अपने विचार व्यक्त किए, लेकिन वे भारत के मुख्य मुद्दों, राजनीति तथा उस समय के कांग्रेस दल के प्रमुख भारतीय नेता गोपाल कृष्ण गोखले जो एक सम्मानित नेता थे पर ही आधारित थे।

चंपारण और खेड़ा – गांधी की पहली बड़ी उपलब्धि 1918 में चम्पारन और खेड़ा सत्याग्रह, आंदोलन में मिली हालांकि अपने निर्वाह के लिए जरूरी खाद्य फसलों की बजाए नकद पैसा देने वाली खाद्य फसलों की खेती वाले आंदोलन भी महत्वपूर्ण रहे। जमींदारों (अधिकांश अंग्रेज) की ताकत से दमन हुए भारतीयों को नाममात्र भरपाई भत्ता दिया गया जिससे वे अत्यधिक गरीबी से घिर गए। गांवों को बुरी तरह गंदा और अस्वास्थ्यकर और शराब, अस्पृश्यता और पर्दा से बांध दिया गया। अब एक विनाशकारी अकाल के कारण शाही कोष की भरपाई के लिए अंग्रेजों ने दमनकारी कर लगा दिए जिनका बोझ दिन प्रतिदिन बढता ही गया। यह स्थिति निराशजनक थी। खेड़ा, गुजरात में भी यही समस्या थी। गांधी जी ने वहां एक आश्रम बनाया जहाँ उनके बहुत सारे समर्थकों और नए स्वेच्छिक कार्यकर्ताओं को संगठित किया गया। उन्होंने गांवों का एक विस्तृत अध्ययन और सर्वेक्षण किया जिसमें प्राणियों पर हुए अत्याचार के भयानक कांडों का लेखाजोखा रखा गया और इसमें लोगों की अनुत्पादकीय सामान्य अवस्था को भी शामिल किया गया था। ग्रामीणों में विश्वास पैदा करते हुए उन्होंने अपना कार्य गांवों की सफाई करने से आरंभ किया जिसके अंतर्गत स्कूल और अस्पताल बनाए गए और उपरोक्त वर्णित बहुत सी सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के लिए ग्रामीण नेतृत्व प्रेरित किया।

असहयोग आन्दोलन – गांधी जी ने असहयोग, अहिंसा तथा शांतिपूर्ण प्रतिकार को अंग्रेजों के खिलाफ़ शस्त्र के रूप में उपयोग किया। पंजाब में अंग्रेजी फोजों द्वारा भारतीयों पर जलियावांला नरसंहार जिसे अमृतसर नरसंहार के नाम से भी जाना जाता है ने देश को भारी आघात पहुंचाया जिससे जनता में क्रोध और हिंसा की ज्वाला भड़क उठी। गांधीजी ने ब्रिटिश राज तथा भारतीयों द्वारा प्रतिकारात्मक रवैया दोनों की की। उन्होंने ब्रिटिश नागरिकों तथा दंगों के शिकार लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा पार्टी के आरंभिक विरोध के बाद दंगों की भर्त्सना की। गांधी जी के भावनात्मक भाषण के बाद अपने सिद्धांत की वकालत की कि सभी हिंसा और बुराई को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। किंतु ऐसा इस नरसंहार और उसके बाद हुई हिंसा से गांधी जी ने अपना मन संपूर्ण सरकार आर भारतीय सरकार के कब्जे वाली संस्थाओं पर संपूर्ण नियंत्रण लाने पर केंद्रित था जो जल्दी ही स्वराज अथवा संपूर्ण व्यक्तिगत, आध्यात्मिक एवं राजनैतिक आजादी में बदलने वाला था।

स्वराज और नमक सत्याग्रह – गांधी जी सक्रिय राजनीति से दूर ही रहे और 1920 की अधिकांश अवधि तक वे स्वराज पार्टी और इंडियन नेशनल कांग्रेस के बीच खाई को भरने में लगे रहे और इसके अतिरिक्त वे अस्पृश्यता , शराब, अज्ञानता और गरीबी के खिलाफ आंदोलन छेड़ते भी रहे। उन्होंने पहले 1928 में लौटे एक साल पहले अंग्रेजी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक नया संवेधानिक सुधार आयोग बनाया जिसमें एक भी सदस्य भारतीय नहीं था। इसका परिणाम भारतीय राजनैतिक दलों द्वारा बहिष्कार निकला। दिसंबर 1928 में गांधी जी ने कलकत्ता में आयोजित कांग्रेस के एक अधिवेशन में एक प्रस्ताव रखा जिसमें भारतीय साम्राज्य को सत्ता प्रदान करने के लिए कहा

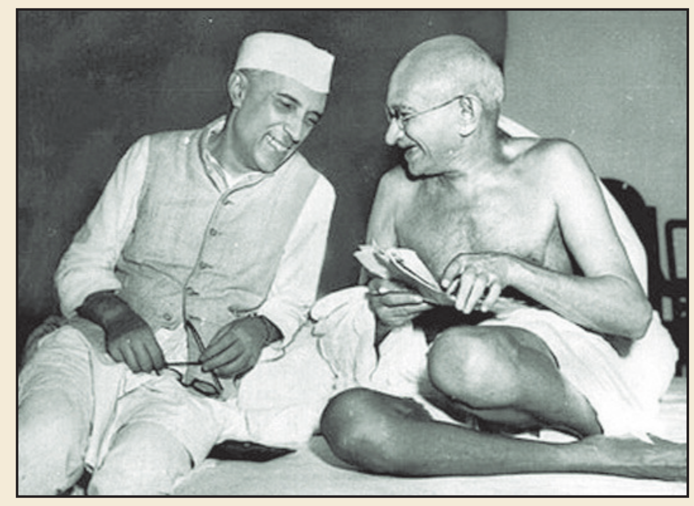

गया था अथवा ऐसा न करने के बदले अपने उद्देश्य के रूप में संपूर्ण देश की आजादी के लिए असहयोग आंदोलन का सामना करने के लिए तैयार रहें। गांधी जी ने न केवल युवा वर्ग सुभाष चंद्र बोस तथा जवाहरलाल नेहरू जैसे पुरूषों द्वारा तत्काल आजादी की मांग के विचारों को फलीभूत किया बल्कि अपनी स्वयं की मांग को दो साल की बजाए एक साल के लिए रोक दिया। अंग्रेजों ने कोई जवाब नहीं दिया। नहीं 31 दिसंबर 1929 , भारत का झंडा फहराया गया था लाहौर में है . 26 जनवरी 1930 का दिन लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता दिवस के रूप में इंडियन नेशनल कांग्रेस ने मनाया। यह दिन लगभग प्रत्येक भारतीय संगठनों द्वारा भी मनाया गया। इसके बाद गांधी जी ने मार्च 1930 में नमक पर कर लगाए जाने के विरोध में नया सत्याग्रह चलाया जिसे 12 मार्च से 6 अप्रेल तक नमक आंदोलन के याद में 400 किलोमीटर (248 मील) तक का सफर अहमदाबाद से दांडी, गुजरात तक चलाया गया ताकि स्वयं नमक उत्पन्न किया जा सके। समुद्र की ओर इस यात्रा में हजारों की संख्या में भारतीयों ने भाग लिया। भारत में अंग्रेजों की पकड़ को विचलित करने वाला यह एक सर्वाधिक सफल आंदोलन था जिसमें अंग्रेजों ने 80,000 से अधिक लोगों को जेल भेजा।

द्वितीय विश्व युद्ध और भारत छोड़ो – द्वितीय विश्व युद्ध 1939 में जब छिड़ने नाजी जर्मनी आक्रमण पोलैंड. आरंभ में गांधी जी ने अंग्रेजों के प्रयासों को अहिंसात्मक नैतिक सहयोग देने का पक्ष लिया किंतु दूसरे कांग्रेस के नेताओं ने युद्ध में जनता के प्रतिनिधियों के परामर्श लिए बिना इसमें एकतरफा शामिल किए जाने का विरोध किया। कांग्रेस के सभी चयनित सदस्यों ने सामूहिक तौर पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लंबी चर्चा के बाद, गांधी ने घोषणा की कि जब स्वयं भारत को आजादी से इंकार किया गया हो तब लोकतांत्रिक आजादी के लिए बाहर से लड़ने पर भारत किसी भी युद्ध के लिए पार्टी नहीं बनेगी। जैसे जैसे युद्ध बढता गया गांधी जी ने आजादी के लिए अपनी मांग को अंग्रेजों को भारत छोड़ो आन्दोलन नामक विधेयक देकर तीव्र कर दिया। यह गांधी तथा कांग्रेस पार्टी का सर्वाधिक स्पष्ट विद्रोह था जो भारतीय सीमा से अंग्रेजों को खदेड़ने पर लक्षित था। गांधी जी के दूसरे नंबर पर बैठे जवाहरलाल नेहरू की पार्टी के कुछ सदस्यों तथा कुछ अन्य राजनैतिक भारतीय दलों ने आलोचना की जो अंग्रेजों के पक्ष तथा विपक्ष दोनों में ही विश्वास रखते थे। कुछ का मानना था कि अपने जीवन काल में अथवा मौत के संघर्ष में अंग्रेजों का विरोध करना एक नश्वर कार्य है जबकि कुछ मानते थे कि गांधी जी पर्याप्त कोशिश नहीं कर रहे हैं। भारत छोड़ो इस संघर्ष का सर्वाधिक शक्तिशाली आंदोलन बन गया जिसमें व्यापक हिंसा और गिरफ्तारी हुई। पुलिस की गोलियों से हजारों की संख?या में स्वतंत्रता सेनानी या तो मारे गए या घायल हो गए और हजारों गिरफ्तार कर लिए गए। गांधी और उनके समर्थकों ने स्पष्ट कर दिया कि वह युद्ध के प्रयासों का समर्थन तब तक नहीं देंगे तब तक भारत को तत?काल आजादी न दे दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार भी यह आन्दोलन बन्द नहीं होगा यदि हिंसा के व्यक्तिगत कृत्यों को मूर्त रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उनके चारों ओर अराजकता का आदेश असली अराजकता से भी बुरा है। उन्होंने सभी कांग्रेसियों और भारतीयों को अहिंसा के साथ करो या मरो (अंग्रेजी में डू ऑर डाय) के द्वारा अन्तिम स्वतन्त्रता के लिए अनुशासन बनाए रखने को कहा।

स्वतंत्रता और भारत का विभाजन

गांधी जी ने 1946 में कांग्रेस को ब्रिटिश केबीनेट मिशन के प्रस्ताव को ठुकराने का परामर्श दिया क्योकि उसे मुस्लिम बाहुलता वाले प्रांतों के लिए प्रस्तावित समूहीकरण के प्रति उनका गहन संदेह होना था इसलिए गांधी जी ने प्रकरण को एक विभाजन के पूर्वाभ्यास के रूप में देखा। हालांकि कुछ समय से गांधी जी के साथ कांग्रेस द्वारा मतभेदों वाली घटना में से यह भी एक घटना बनी। चूंकि नेहरू और पटेल जानते थे कि यदि कांग्रेस इस योजना का अनुमोदन नहीं करती है तब सरकार का नियंत्रण मुस्लिम लीग के पास चला जाएगा। 1948 के बीच लगभग 5000 से भी अधिक लोगों को हिंसा के दौरान मौत के घाट उतार दिया गया। गांधी जी किसी भी ऐसी योजना के खिलाफ थे जो भारत को दो अलग अलग देशों में विभाजित कर दे।भारत में रहने वाले बहुत से हिंदुओं और सिक्खों एवं मुस्लिमों का भारी बहुमत देश के बंटवारे के पक्ष में था। इसके अतिरिक्त मुहम्मद अली जिन्ना, मुस्लिम लीग के नेता ने, पश्चिम पंजाब, सिंध, उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत और ईस्ट बंगाल में व्यापक सहयोग का परिचय दिया। व्यापक स्तर पर फैलने वाले हिंदु मुस्लिम लड़ाई को रोकने के लिए ही कांग्रेस नेताओं ने बंटवारे की इस योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी। कांगेस नेता जानते थे कि गांधी जी बंटवारे का विरोध करेंगे और उसकी सहमति के बिना कांग्रेस के लिए आगे बझना बसंभव था चुकि पाटर्टी में गांधी जी का सहयोग और संपूर्ण भारत में उनकी स्थिति मजबूत थी। गांधी जी के करीबी सहयोगियों ने बंटवारे को एक सर्वोत्तम उपाय के रूप में स्वीकार किया और सरदार पटेल ने गांधी जी को समझाने का प्रयास किया कि नागरिक अशांति वाले युद्ध को रोकने का यही एक उपाय है। मज़बूर गांधी ने अपनी अनुमति दे दी।

हत्या

30 जनवरी 1948 गांधी की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वे नई दिल्ली के बिड़ला भवन के मैदान में रात चहलकदमी कर रहे थे। गांधी का हत्यारा नाथूराम गौड़से हिन्दू राष्ट्रवादी थे जिनके कट्टरपंथी हिंदु महासभा के साथ संबंध थे जिसने गांधी जी को पाकिस्तान को भुगतान करने के मुद्दे को लेकर भारत को कमजोर बनाने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। गोड़से और उसके उनके सह षड्यंत्रकारी नारायण आप्टे को बाद में केस चलाकर सजा दी गई तथा 15 नवंबर1949 को इन्हें फांसी दे दी गई।

गांधी जयंती आत्ममूल्यांकन का दिन

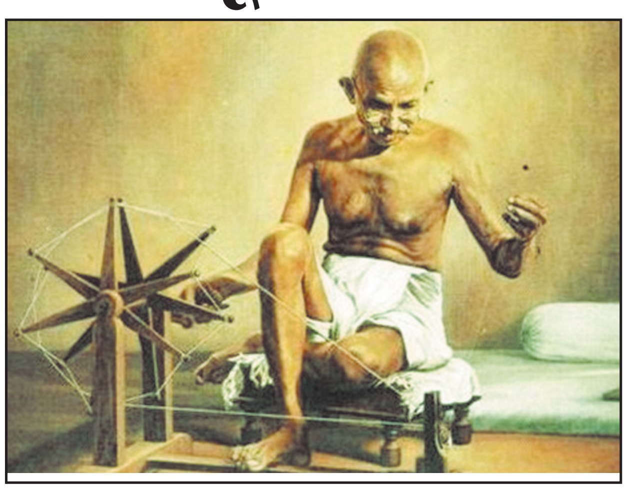

आज गांधी जयंती है। गांधी प्रतिमाओं और उनकी तस्वीरों को पिछली पुण्यतिथि के बाद धोने-पोंछने का यह पहला अवसर आया है। प्रत्येक वर्ष ऐसा ही होता है, जयंती और पुण्यतिथि के बीच की अवधि में गांधीजी के साथ कोई नहीं होता है। कड़वी बात तो यह है कि बचे-खुचे गांधीवादी भी नहीं। वे गांधीजी का साथ दे भी नहीं सकते हैं क्योंकि जरूरतों और परिस्थितियों ने उन्हें भी सिखा दिया है कि गांधी बनने से केवल प्रताड़ना मिल सकती है, संपदा, संपत्ति नहीं। वैचारिक धरातल में यह खोखलापन एक दिन या एक माह या एक वर्ष में नहीं आ गया। जान-बूझकर धीरे-धीरे और योजनाबद्ध ढंग से गांधी सिद्धांतों को मिटाया जा रहा है क्योंकि यह मौजूदा स्वार्थों में सबसे बड़े बाधक हैं। गांधी सिद्धांतों को मिटाने की इस गतिविधि को देखा नहीं गया, ऐसा नहीं है। सब चुप हैं क्योंकि अपना-अपना लाभ सभी को चुप रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। आमतौर पर जन्मदिन या जयंती के दिन आस्था के फूल अर्पित करने की परंपरा है। इस दिन कड़वी बातों को कहने का रिवाज नहीं है। यदि इस रिवाज को तोड़ा जा रहा है, तो मजबूरी के दबाव को समझे जाने की आवश्यकता है। यह राष्ट्र नेताओं को महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर कीचड़ उछालने की अनुमति कैसे दे रहा है, क्यों दे रहा है? यह कैसी सहिष्णुता है जो राष्ट्र की बुनियादी विचारधारा को मटियामेट करने पर आमादा है?

कहते हैं कि जो राष्ट्र अपने चरित्र की रक्षा करने में सक्षम नहीं है, उसकी रक्षा कोई नहीं कर सकता है। क्या परमाणु बम भारतीयता की रक्षा कर पाएगा? दरअसल, यह भुला दिया गया है कि पहले विश्वास बनता है, फिर श्रद्धा कायम होती है। किसी ने अपनी जय-जयकार करवाने के लिए क्रम उलट दिया और उल्टी परंपरा बन गई। अब विश्वास हो या नहीं हो, श्रद्धा का प्रदर्शन जोर-शोर से किया जाता है। गांधीजी भी श्रद्धा के इसी प्रदर्शन के शिकार हुए हैं। उनके सिद्धांतों में किसी को विश्वास रहा है या नहीं, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता। जयंती और पुण्यतिथि पर उनकी कसमें खाकर वाहवाही जरूर लूटी जा रही है। गांधीजी के विचार बेचने की एक वस्तु बनकर रह गए हैं। वे छपे शब्दों से अधिक कुछ नहीं हैं। इसलिए ही गांधीजी की जरूरत आज पहले से कहीं अधिक है। इस जरूरत को पूरा करने की सामर्थ्य वाला व्यक्तित्व दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा है। हर कोई चाहता है कि आदर्श और मूल्य इतिहास में बने रहें और इतिहास को वह पूजता भी रहेगा। परंतु अपने वर्तमान को वह इस इतिहास से बचाकर रखना चाहता है। अपने लालच की रक्षा में वह गांधी की रोज हत्या कर रहा है, पल-पल उन्हें मार रहा है और राष्ट्र भीड़ की तरह तमाशबीन बनकर चुपचाप उसे देख रहा है। शायद कल उनमें से किसी को यही करना पड़े! अपने हितों की विरोधी चीजों को इतिहास में बदल देने में भारतीयता आजादी के बाद माहिर हो चुकी है। वर्तमान और इतिहास की इस लड़ाई में वर्तमान ही जीतता आ रहा है क्योंकि इतिहास की तरफ से लड़ने वाले शेष नहीं हैं। आज गांधी जयंती है। गांधीजी की प्रतिमा के सामने आंख मूंदकर कुछ क्षण खड़े रहने वाले क्या यह पश्चाताप कर रहे होंगे कि वे गांधीजी के बताए रास्तों पर क्यों नहीं चल रहे हैं? नहीं, वे यह कतई नहीं सोच रहे होंगे। तब वे मन ही मन क्या कह रहे होंगे? सोचिए और उस पर मनन कीजिए। गांधी जयंती पर यही बड़ा काम होगा।

गांधीजी ने बजाया था सत्याग्रह का बिगुल

दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद भारतवासियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए गांधी जी नेशनल इण्डियन कांग्रेस की स्थापना की। पहली बार सत्याग्रह के शस्त्र का प्रयोग किया और विजय भी पाई। इस प्रकार सन्? 1914-15 में गांधी जब दक्षिण अफ्रीका से वापिस भारत लौटे, तब तक इन विचारों और जीवन-व्यवहारों में आमूल-चूल परिवर्तन आ चुका था।

भारत लौटकर कुछ दिन गांधी जी देश का भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेते रहे। फिर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसी संस्था को पूर्ण स्वतंत्रता का लक्ष्य देकर संघर्ष में कूद पड़े। क्योंकि प्रथम विश्वयुद्ध में वचन देकर भी अंग्रेज सरकार ने भारतीयों के प्रति अपने रवैये में कोई परिवर्तन नहीं किया था, इससे गांधी जी और भी चिढ़ गए और अंग्रेजी कानूनों का बहिष्कार और सत्याग्रह का बिगुल बजा दिया। भारतवासियों के मानवाधिकारों का हनन करने वाले रोलट एक्ट का स्थान-स्थान पर विरोध-बहिष्कार होने लगा। सन 1919 में जलियां-वाला बाग में हो रही विरोध-सभा पर हुए अत्याचार ने गांधी जी की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। सो अब ये समूचे स्वतंत्रता आंदोलन की बागडोर सम्हाल खुलम-खुल्ला संघर्ष में कूद पड़े। इनका संकेत पाते ही सारे देश में विरोधी आंदोलनों की एक

आंधी सी छा गई। अंग्रेज सरकार की लाठी-गोलियां भी अंधाधुंध बरसने लगीं। जेलें सत्याग्रहियों से भर उठीं। गांधीजी को भी जेल में डाल दिया गया। बिहार की नील सत्याग्रह, डाण्डी यात्रा या नमक सत्याग्रह, खेड़ा का किसान सत्याग्रह आदि गांधी जी के जीवन के प्रमुख सत्याग्रह हैं। इन्हें कई बार महीने-महीने भर का उपवास भी करना पड़ा। अपने विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए इन्होंने नवजीवन और यंग इण्डिया जैसे पत्र भी प्रकाशित किए। विदेशी-बहिष्कार और विदेशी माल का दाह, मद्य निषेध के लिए धरने का आयोजन, अछूतोद्धार, स्वदेशी प्रचार के लिए चर्खे और खादी को महत्व देना, सर्वधर्म-समन्वय और विशेषकर हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए प्रचार इनके द्वारा आरंभ किए गए अन्य प्रमुख सामाजिक सुधारात्मक कार्य माने गए हैं। इस प्रकार के स्वतंत्रता दिलाने वाले प्रयासों के लिए अक्सर बीच-बीच में इन्हें जेलयात्रा भी करनी पड़तीं। सन 1931 में इग्लैंड में संपन्न गोलमेज कान्फ्रेस में भाग लेने के लिए गांधी जी वहां गए, पर जब इनकी इच्छा के विरुद्ध हरिजनों को निर्वाचन का विशेषाधिकार हिन्दुओं से अलग करके दे दिया, तो भारत लौटकर गांधी जी ने पुनः आंदोलन आरंभ कर दिया। बंदी बनाए जाने पर जब ये अनशन करने लगे, तो सारा देश क्षुब्ध हो उठा। फलतः ब्रिटिश सरकार को गांधी जी के मतानुसार हरिजनों का पृथक निर्वाचनाधिकार का हठ छोड़ना पड़ा।

पूर्वी पंजाब में पुलिस की चौकी पर हमला, एक अधिकारी की मौत

मुल्तान। पाकिस्तानी तालिबान के लड़ाकों ने पूर्वी पंजाब प्रांत में शनिवार देर रात एक पुलिस चौकी पर हमला किया जिसमें एक अधिकारी की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। इस हमले के बाद हुई मुठभेड़ में दो हमलावरमारे गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। आतंकरोधी पुलिस के प्रवक्ता इमरान नवाज ने बताया कि यह हमला पंजाब प्रांत के मियांवाली जिले में हुआ। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों से घिरी चौकी पर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों के पहुंचने पर दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि 10 से 12 आतंकवादियों के एक समूह ने मध्यरात्रि के बाद मियांवाली के ईसा खेल इलाके स्थित कुंडल पुलिस चौकी पर हमला किया। नवाज ने बताया कि सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच कई घंटे चली मुठभेड़ के दौरान दो हमलावरों को मार गिराया गया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में एक अन्य आतंकी घायल भी हुआ लेकिन वह अपने अन्य साथियों के साथ भागने में सफल रहा। प्रवक्ता ने बताया कि हमलावरों को ढूंढने के लिए इलाके में खोज अभियान जारी है। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान के प्रवक्ता मोहम्मद खुरासनी ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

तुर्की में पुलिस मुख्यालय में हुआ आतंकी हमला, एक ने खुद को उड़ाया दूसरे ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाया

अंकारा। तुर्की की राजधानी अंकारा में पुलिस मुख्यालय बड़े आतंकी हमले का शिकार हुआ है। पुलिस मुख्यालय पर 1 अक्टूबर की सुबह यह बड़ा आतंकी हमला हुआ। ऐसा था कि हमले में एक फिदायीन की मौत हो गई है। एक अन्य फिदायीन को सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया। बता दें कि इस ब्लास्ट में कितने लोग घायल हुए हैं और कितने लोगों की जान गई है इस संबंध में कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। इस आतंकी हमले के संबंध में तुर्की के गृहमंत्री अली येरलिकाया ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि एक कमर्शियल गाड़ी के साथ नेशनल पुलिस हेडक्वार्टर की बिल्डिंग के पास सुबह दो आतंकवादी पहुंचे थे। एक आतंकवादी ने खुद को उड़ा लिया। दूसरे आतंकवादी को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया गया है। इस पूरी घटनाक्रम के दौरान दो पुलिस अधिकारी भी घायल हुए हैं। बता दें कि तुर्की में एक अक्टूबर से ही संसद दोबारा शुरू हुई है इससे पहले गर्मियों की छुट्टियों के कारण संसद बंद चल रही थी। बता दे कि इससे पहले संसद भवन और गृह मंत्रालय भवन के पास भी हमला हुआ था। इन सभी हम भावनाओं के आसपास सुरक्षा कर कड़ी कर दी गई है।

फ्रांस में खटमलों से निपटने के लिए विशेष अभियान

पेरिस। फ्रांस में ऐसी कोई जगह नहीं बची है, जहां खटमल न हों। इस समस्या से निपटने सरकार को इमरजेंसी मीटिंग बुलानी पड़ी। सरकार ने ऐलान किया है कि वह खटमलों से निपटने के लिए विशेष अभियान शुरू करने जा रही है। फ्रांस के यातायात मंत्री क्लीमेंट बियॉन ने बताया कि उन्होंने अलगे हफ्ते अलग-अलग डिपार्टमेंट के प्रतिनिधियों की एक आपात बैठक बुलाई है। जिसमें खटमल से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी जाएगी। आपको बता दें कि हाल के दिनों में फ्रांस में बेड बग यानी खटमल बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रत्येक 10 में से एक परिवार इस समस्या से जूझ रहा है। सबसे ज्यादा समस्या सार्वजनिक स्थानों पर है। लोग खटमल से निजात के लिए बार-बार पेस्ट कंट्रोल की मदद ले रहे हैं और हजारों यूरो खर्च कर रहे हैं। इसके बावजूद समस्या जस की तस है। पेस्ट कंट्रोल के कुछ दिनों बाद ही खटमल वापस आ जाते हैं। समस्या ज्यादा परेशानी फ्रांस की राजधानी पेरिस में है। पेरिस सिटी हॉल तो खटमलों के आतंक से इतना तंग आ गया कि राष्ट्रपति इमैनुअल मैंक्रों से स्पेशल टास्क फोर्स बनाने की मांग की है। उधर, फ्रांस की राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसी ने लोगों से अपील की है कि अगर होटल ठहर रहे हैं तो खटमल की जांच जरूर कर लें। एजेंसी ने लोगों से सेकेंड हैंड फर्नीचर और मैट्रेस ना खरीदने की अपील की है। एजेंसी ने बाकायदा एक सर्कुलर भी जारी किया है, जिसमें खटमल से निपटने के तरीके बताए हैं। कहा है कि अगर घर में खटमल दिखें तो फौरन इसका ट्रीटमेंट करवा लें, वरना ये बहुत तेजी से फैल सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस में 1950 के दशक में ठीक इसी तरह खटमलों की समस्या थी। लेकिन उसके बाद ज्यादातर घरों से खटमल गायब हो गए। लेकिन पिछले कुछ सालों में दोबारा खटमलों की संख्या बढ़ी और अब यह विकराल समस्या बन गई है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक खटमल के काटने से डिप्रेशन, एंग्जायटी से लेकर नींद से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं। स्किन इन्फेक्शन भी हो सकता है।पेरिस सिटी हॉल के मुताबिक खटमल से परेशान होकर टूरिस्ट वापस लौट रहे हैं। जगह-जगह शिकायत कर रहे हैं।

मकड़ी काटने के बाद 76 दिन तक जूझना पडा बच्ची को, हाथ में वायरस की तरह फैली खतरनाक बीमारी

टेक्सास। एक खतरनाक मकड़ी के मासूम बच्ची को काटने के बाद 76 दिन तक उसे जिंदगी के लिए संघर्ष करना पडा। बच्ची की मां जेसिका कैलविलो ने इस दर्दनाक अनुभव को जागरूकता फैलाने के लिए आम लोगों में साझा किया। उन्होंने अन्य माता-पिता को सशक्त बनाने की उम्मीद से टिकटॉक पर अपनी दर्द से लड़कर जीतने वाली बेटी के अनुभव को साझा किया। उसके ठीक होने के संघर्ष में 'टेक्सास स्लिंग' में तीन दिन भी शामिल थे, जिसमें ब्लड सर्कुलेशन की कमी के कारण उसकी बांह को सिर के ऊपर लटकाया गया था। बच्ची की मां ने पूरी कहानी को साझा किया है। दरअसल, 9 साल की एडलिन मैकडॉवेल नाम की एक 9 वर्षीय लड़की ने कपड़े बदलते समय कुछ चुभने की शिकायत की थी। अगले दिन, जब वह नाइटगाउन उतार रही थी, तो उसे अपनी बांह पर एक छोटी सी चुभन महसूस हुई। उसने अपनी मां से कहा कि वह नाइटगाउन हटाना चाहती है, क्योंकि उसमें एक टैग लगा है जो उसे चुभ रहा है। उसकी मां, जेसिका कैल्विलो ने एडलिन को स्कूल छोड़ा। उसने लोगों से कहा, 'वह बिल्कुल ठीक, खुश और स्वस्थ थी। और फिर, दोपहर के समय, उसे कुछ लक्षण शुरू हो गए।' लड़की 'अपनी बांह में अत्यधिक दर्द' का अनुभव कर रही थी। श्रीमती कैलविलो ने मीडिया आउटलेट को बताया, 'उसने कहा कि ऐसा लगा जैसे उसकी बगल में बिजली गिरी हो। फिर उसे बुखार आना शुरू हो गया। उसकी त्वचा पीली और चिपचिपी हो गई थी। उसके होंठ बैंगनी थे और वह कांप रही थी। वह एक तरह से घबरा गई। तेजी से बिगड़ते लक्षणों को देख मां अपनी बेटी को आपातकालीन कक्ष में ले गई, लेकिन डॉक्टर उसके मर्ज की पहचान नहीं कर सके। उसे दर्द से राहत के लिए कुछ एंटीबायोटिक्स दिए गए। मां ने बच्ची को मकड़ी या किसी कीड़े के काटने की बात बताई, लेकिन डॉक्टरों ने उसकी बात को नजरअंदाज कर दिया। कहा गया यह काटने का निशान नहीं है।

माइक्रोप्लास्टिक्स ने बादलों तक खोजा अपना रास्ता

टोक्यो। माइक्रोप्लास्टिक्स ने अंतत: बादलों तक अपना रास्ता खोज लिया है। यह बडा खुलासा किया है जापानी शोधकर्ताओं ने। शोधकर्ताओं का कहना है कि माइक्रोप्लास्टिक्स का समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र और जलवायु परिवर्तन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा है कि ये बड़ी चेतावनी है और तुरंत प्लास्टिक को लेकर कड़े कदम उठाने होंगे वरना आने वाले समय में इसे रोका नहीं जा सकेगा। ये मानव शरीर और वातावरण के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। वासेदा यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर हिरोशी ओकोची और अन्य के नेतृत्व में रिसर्च टीम ने बादलों से एकत्र किए गए पानी के 44 नमूनों की जांच की। विश्लेषकों ने पाया कि पानी में माइक्रोप्लास्टिक के कम से कम 70 कण थे। इसे कानागावा प्रान्त में योकोहामा के पश्चिम में माउंट फूजी के शिखर और तलहटी और माउंट तंजावा-ओयामा के शिखर पर पहाड़ों से जमा किया गया था। इस टीम ने अपने शोध पत्र में लिखा है कि हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार, यह बादल के पानी में वायुजनित माइक्रोप्लास्टिक्स पर पहली रिपोर्ट है। रिसर्चर ने कहा है कि यदि समन्वित प्रयासों के माध्यम से बादलों में उनकी उपस्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया तो माइक्रोप्लास्टिक जलवायु और मानव शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। वासेदा विश्वविद्यालय के प्रमुख लेखक हिरोशी ओकोची ने कहा कि अगर 'प्लास्टिक वायु प्रदूषण' के मुद्दे को सक्रिय रूप से संबोधित नहीं किया गया, तो जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिक जोखिम एक वास्तविकता बन सकते हैं, जिससे भविष्य में अपरिवर्तनीय और गंभीर पर्यावरणीय क्षति हो सकती है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने न्यायाधीश के इस्तीफा मामले में जांच के आदेश दिए

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने तमिल-बहुल उत्तरी प्रांत के मुल्लातीवु में एक जिला न्यायाधीश के जान को खतरा बताकर उनके इस्तीफा देने के संबंध में जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। टी सरवनराजा ने अपने जीवन को खतरा होने का दावा करते हुए 23 सितंबर को न्यायिक सेवा आयोग को अपना इस्तीफा दे दिया और कथित तौर पर देश छोड़ दिया। विभिन्न मामलों में सुनवाई करते हुए उन्होंने एक विवादित पुरातात्विक स्थल पर बौद्ध मंदिर के निर्माण के खिलाफ फैसला सुनाया था। उसी क्षेत्र में एक कथित सामूहिक कब्र की खुदाई पर कानूनी कार्यवाही की अध्यक्षता भी सरवनराजा ने की थी। अधिकारियों के अनुसार, विक्रमसिंघे ने राष्ट्रपति के सचिव को सरवनराजा के इस्तीफे की परिस्थितियों की जांच करने का निर्देश दिया, क्योंकि न्यायाधीश ने पूर्व में अपने जीवन के लिए कथित खतरे पर कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई थी।

मुल्लातीवु के उत्तरी क्षेत्र के जिला न्यायाधीश के रूप में, सरवनराजा ने एक विवादित पुरातात्विक स्थल कुरुंथमाले में एक बौद्ध मंदिर के निर्माण के खिलाफ फैसला सुनाया था। क्षेत्र के तमिलों ने बौद्ध पुरातात्विक उत्खनन के लिए राज्य द्वारा भूमि दान में दिए जाने का दावा करते हुए इसका विरोध किया था। सरवनराजा ने उसी क्षेत्र में एक कथित सामूहिक कब्र की खुदाई पर कानूनी कार्यवाही की भी अध्यक्षता की। जून में, क्षेत्र में एक विकास परियोजना के लिए खुदाई गतिविधियों को अंजाम देते समय राष्ट्रीय जल बोर्ड के कार्यकर्ताओं द्वारा गलती से कोक्कुथुडुवई में कथित सामूहिक कब्र की खोज की गई थी। अल्पसंख्यक तमिल समुदाय ने पूर्वोत्तर जिले में कथित सामूहिक कब्र की विश्वसनीय जांच की मांग की।

लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के शीर्ष नेता वेलुपिल्लई प्रभाकरण को 2009 में श्रीलंकाई सेना ने मार गिराया था। इससे पहले 30 वर्षों तक द्वीपीय राष्ट्र के उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में एक अलग तमिल मातृभूमि के लिए लिट्टे ने सैन्य अभियान चलाया था। लिट्टे की हार से पहले तक मुल्लातीवु संगठन का एक प्रमुख केंद्र था। श्रीलंका के बार एसोसिएशन सहित कई कानूनी संघों ने न्यायाधीश के इस्तीफे को द्वीपीय राष्ट्र में न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए ''गंभीर खतरा'' बताया और न्यायिक सेवा आयोग से स्वतंत्र जांच करने का आग्रह किया।

पाकिस्तान ने भारतीय एजेंसी रॉ पर लगाया मस्जिदों में हुए हमले का आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि मस्जिदों में हो रहे हमलों के पीछे भारतीय इजेंसी रॉ का हाथ है। जब ?कि सही मायने में देखा जाए तो आतंकियों को पालने की सजा खुद पाक भुगत रहा है। जानकारी के अनुसार बलूचिस्तान के मासतुंग जिले में मस्जिद में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या 65 हो गई है। वहीं खैबर पख्तूनख्वा के हंगू सिटी में हुए धमाके में 5 लोगों की जान चली गई। अपनी कमियां छिपाने के लिए पाकिस्तान इन विस्फोटों का ठीकरा भारत पर फोड़ रहा है। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में गृह मंत्री सरफराज बुगती का कहना है कि इन विस्फोटों के पीछे भारतीय खुफिया एजेंसि रॉ का हाथ है। उन्होंने कहा कि मासतुंग में हुए हमले में शामिल लोगों के खिलाफ सिविल और मिलिट्री डिपार्टमेंट कड़ा ऐक्शन लेगा। उन्होंने कहा कि इस हमले में रॉ शामिल है। पुलिस का कहना है कि उसने इस मामले में केस दर्ज किया है और आत्मघाती हमलावरों के डीएनए की जांच करवाई जाएगी। यहां गौरतलब है कि पैगंबर मोहम्मद की जयंती के मौके पर आयोजित एक जुलूस में आत्मघाती हमला किया गया था। यह विस्फोट एक पुलिस वाहन के पास हुआ था। मस्जिद के पास हुए इस हमले में कम से कम 60 लोग घायल भी हो गए थे। वहीं दूसरा अटैक खैबर पख्तूनख्वा में हुआ जहां 5 लोगों की जान चली गई। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि मस्जिद की छत भी ढह गई। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक पाकिस्तान के डिपार्टमेंट ऑफ काउंटर टेररिजम ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। अब तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान अकसर पाकिस्तान में इस तरह के हमले करवाता रहता है।

अस्थायी फंडिंग बिल से अमरीका में टला शटडाउन संकट

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमरीकी सीनेट में फंडिंग बिल पास होने से फिलहाल शटडाउन का खतरा टल गया है। कांग्रेस ने एजेंसियों को खुला रखने के लिए एक अस्थायी फंडिंग बिल स्वीकृत कर राष्ट्रपति जो बाइडन के पास कानून बनने के लिए भेज दिया है। 1 अक्टूबर से पहले ही सीनेट में फंडिंग बिल पास हो गया, जिससे राष्ट्रपति जो बाइडन के सरकार को बड़ी राहत मिली है। सूत्रों के मुताबिक, जल्दबाजी में पास हुआ। इस दौरान व्हाइट हाउस की प्राथमिकता में जीओपी सांसदों की बढ़ती संख्या के विरोध के कारण इस फंडिंग बिल में यूक्रेन को मिलने वाली सहायता को कम कर दिया गया है। वहीं, संघीय आपदा सहायता में 16 बिलियन डॉलर की वृद्धि की गई है। गौरतलब है कि इस बिल को 45 दिनों के लिए सीनेट में मंजूरी दे दी गई है। फिलहाल 17 नवंबर तक शटडाउन का खतरा टल गया है। सदन में कई दिनों की उथल-पुथल के बाद, अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी ने अपनी नौकरी को खतरे में डालकर बिल पारित करने के लिए डेमोक्रेट्स पर भरोसा किया।

बिल को लेकर राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि यह अमेरिकियों के लिए अच्छी खबर है, इससे संयुक्त राज्य अमेरिका किसी भी परिस्थिति में यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन को बाधित करने की अनुमति नहीं दे सकता। उन्होंने उम्मीद जताई कि मैक्कार्थी यूक्रेन के लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे और इस महत्वपूर्ण क्षण में यूक्रेन की मदद करने के लिए आवश्यक समर्थन को सुरक्षित रखेंगे। देखा जाए तो अभी के लिए अमेरिका में शटडाउन का खतरा खत्म हो गया है, लेकिन ये राहत महज कुछ ही महीनों की है। आने वाले हफ्तों में कांग्रेस को ओर भी संकट का जोखिम उठाना पड़ सकता है, क्योंकि सरकार को धन देने की आवश्यकता होगी। अगर रविवार से पहले बिल पास नहीं होता तो 2 मिलियन से अधिक संघीय कर्मचारियों आरक्षित सैन्य सैनिकों को बिना वेतन काम करना पड़ता।

उल्लेखनीय है कि यह पैकेज नवंबर के मध्य तक मौजूदा वर्ष 2023 स्तरों पर सरकार को धन देता है और संघीय उड्डयन प्रशासन सहित अन्य प्रावधानों का भी विस्तार करता है। पैकेज को सदन 335-91 द्वारा अनुमोदित किया गया था, जिसमें अधिकांश रिपब्लिकन और लगभग सभी डेमोक्रेट ने समर्थन किया था। सीनेट पारित 88-9 वोट से हुआ। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की की हालिया वाशिंगटन यात्रा के बाद उनका समर्थन करने की कसम खाने वाले दोनों दलों के सांसदों के लिए यूक्रेन सहायता का नुकसान झेलना पड़ा।

हाफिज सईद के करीबी की अज्ञात लोगों ने की गोली मारकर हत्या

कराची (एजेंसी)। आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद के करीबी कैसर फारूक की अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार अज्ञात हमलावरों ने कराची में गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद जेल में हाफिज सईद की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक सिंध प्रांत के कराची के सोहराब गोट में पोर्ट कासिम की जामिया मस्जिद अबूबकर के एक इमाम की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस मामले में जो वीडियो सामने आया है उसमें साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि यह इमाम मुफ्ती कैसर फारूक था, जो मस्जिद से वापस आ रहा था। तभी मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात हमलावरों ने उस पर गोलियों की बौछार कर दी। इस गोलीबारी में कैसर फारूक की मौत हो गई और उसके साथ चल रहा एक छात्र घायल हो गया।

बता दें कि फारूक खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान इलाके का रहने वाला था। वह आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद का बेहद करीबी था। लश्कर मासूम बच्चों को आतंक की ट्रेनिंग देने के लिए तैयार करता था। उनके ब्रेनवॉश की जिम्मेदारी इस मौलवी की थी। पाकिस्तानी खुफिया संगठनों का अनुमान है कि हाफिज सईद के जेल जाने के बाद लश्कर-ए-तैयबा में वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो गई है, जिसके चलते लश्कर प्रमुख के सहयोगियों को एक-एक कर मारा जा रहा है। गौरतलब है ?कि हाफिज सईद को पाकिस्तान की एक अदालत ने आतंकवादी वारदातों में उसकी संलिप्तता के लिए लंबी सजा सुनाई है, जिसके चलते उसका जेल से निकलना फिलहाल असंभव बताया जा रहा है।

पाकिस्तान से फिर भेजे गए थे भिखारी, सऊदी अरब के एयरपोर्ट पर पकड़े गए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान से आए भिखारी की संख्या सऊदी अरब में बीते कुछ समय से काफी अधिक बढ़ रही है जिसे लेकर अरब देश काफी परेशान है। इस बार 16 ऐसे लोग पकड़ में आए हैं, जो कहते तो तौर पर पाकिस्तान के भिखारी थे। वही उमराह सीजन के दौरान संज्ञा जांच एजेंसी ने मुल्तान हवाई अड्डे पर तीर्थ यात्रियों के भेष में इन 16 भीखारियों को एयरपोर्ट पर ही उतार दिया। यह सभी भिखारी उम्र वीजा पर सऊदी अरब की यात्रा कर रहे थे।

जांच के दौरान एयरपोर्ट अधिकारियों ने यात्रियों से पूछताछ की। इस दौरान जातियों ने कबूल किया कि वह भीख मांगने के लिए ही सऊदी अरब जा रहे थे। भिखारी ने पूछताछ में यह भी खुलासा किया कि सऊदी अरब में मिलने वाली भी गुफा आधा हिस्सा उन्हें अपनी यात्रा की व्यवस्था करने वाले एजेंटों को देना होगा। जानकारी के मुताबिक इन सभी भिखारी को उमराह वीजा की अवधि खत्म होने के बाद फिर से पाकिस्तान लौटना था।

बता दें कि पाकिस्तान से लोग उमराह वीजा पर सऊदी अरब पहुंचते हैं जो की बेहद आम है। मगर बीते कुछ समय से देखने में आ रहा था कि सऊदी अरब पहुंचकर भीख मांगने की शुरुआत कर देते हैं। इसी सिलसिले को रोकने के लिए एजेंसी की एक टीम मुल्तान एयरपोर्ट पर थी जहां जांच के दौरान भिखारी को पकड़ा गया है। अधिकारियों ने सभी को हिरासत में ले लिया है। इन सभी के पकड़े जाने के बाद इन लोगों को आगे की जांच के लिए भेज दिया गया है।

गौरतलब है की हाल ही में इस बात का खुलासा हुआ है की बड़ी संख्या में लोग भीख मांगने के लिए खाड़ी देशों में भेजे जाते हैं। यह खुलासा पाकिस्तान की संसद में हुआ था। जिसमें पता चला था कि अवैध चैनलों के जरिए भिखारी को विदेशी में तस्करी की जाती है। यह भी सामने आया था कि विदेशों में पकड़े गए 90त्न भिखारी पाकिस्तान से ताल्लुक रखते हैं।

मालदीव के नए राष्ट्रपति बने मोहम्मद मुइज, 53 फीसदी से ज्यादा वोटों से हासिल की जीत

माले (मालदीव) (एजेंसी)। मालदीव में विपक्ष के उम्मीदवार मोहम्मद मुइज ने 53 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करते हुए शनिवार को राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत लिया। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी। इस चुनाव को एक जनमत संग्रह के तौर पर देखा जा रहा था कि देश में भारत या फिर चीन में से किस क्षेत्रीय शक्ति का अधिक प्रभाव रहेगा। 'मिहारू न्यूज' की खबर के अनुसार, निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को 46 फीसदी वोट हासिल हुए और मुइज को उनसे 18,000 से अधिक मत मिले। आधिकारिक नतीजों की घोषणा रविवार को की जा सकती है।

मुइज ने जीत के बाद एक बयान में कहा, ''आज के नतीजे के साथ हमें देश के भविष्य का निर्माण करने का मौका मिला है। मालदीव की आजादी सुनिश्चित करने की ताकत मिली है। यह वक्त अपने मतभेदों को दूर रखने और एकजुट होकर काम करने का है। हमें एक शांतिपूर्ण समाज की आवश्यकता है।'' मुइज ने सोलिह से पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन को घर में नजरबंद करने के बजाय जेल भेजने का भी अनुरोध किया। यह जीत मुइज के लिए हैरान करने वाली है, क्योंकि वह एक वैकल्पिक उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे थे। उच्चतम न्यायालय ने धन शोधन और भ्रष्टाचार के जुर्म में सजा काट रहे यामीन को चुनाव लड़ने से रोक दिया था, जिसके बाद मुइज ने आखिरी वक्त में नामांकन दाखिल किया था। मुइज की पार्टी के एक शीर्ष अधिकारी मोहम्मद शरीफ ने कहा, ''आज का परिणाम हमारे लोगों की देशभक्ति को दर्शाता है। यह हमारे सभी पड़ोसियों और द्विपक्षीय साझेदारों से हमारी स्वतंत्रता एवं संप्रभुता का पूरा सम्मान करने का आह्वान करता है।''

राष्ट्रपति पद के लिए सितंबर की शुरुआत में हुए मतदान के पहले चरण में मुख्य विपक्षी उम्मीदवार मुइज और मौजूदा राष्ट्रपति सोलिह में किसी को भी 50 फीसदी से ज्यादा वोट नहीं मिल पाए थे। सोलिह 2018 में पहली बार राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। वह दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुनाव मैदान में उतरे थे और मुइज के इन आरोपों से जूझ रहे हैं कि उन्होंने भारत को देश में अनियंत्रित मौजूदगी की अनुमति दी थी। मुइज की पार्टी 'पीपुल्स नेशनल कांग्रेस' को चीन समर्थक माना जाता है। सोलिह का कहना है कि मालदीव में भारतीय सेना की मौजूदगी सिर्फ और सिर्फ दोनों सरकारों के बीच हुए एक समझौते के तहत पोतगाह निर्माण के लिए है और इससे उनके देश की संप्रभुता को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। मुइज ने वादा किया था कि अगर वह चुनाव जीत जाते हैं, तो मालदीव में मौजूद भारतीय सैनिकों को वापस भेजेंगे और देश के कारोबारी संबंधों को संतुलित करेंगे। उनका कहना है कि वर्तमान में कारोबारी संबंध भारत के पक्ष में हैं। पेशे से इंजीनियर रहे मुइज सात साल तक आवास मंत्री रहे। जब उन्हें राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए नामित किया गया, तो उस समय वह राजधानी माले के मेयर थे।

न्यूयॉर्क शहर धंस रहा, नासा की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका का न्यूयॉर्क शहर धीरे-धीरे अपने वजन के चलते नीचे दबा रहा है। इसके चलते आने वाली संभावित तबाही में न्यूयॉर्क में स्थित लागार्डिया एयरपोर्ट, आर्थर ऐश स्टेडियम और कोनी आईलैंड सबसे पहले प्रभावित होगा।यह दावा किया है नासा द्वारा हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में। रिपोर्ट के मुताबिक, नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी और रटगर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने न्यूयॉर्क के पास शहरों में कई प्रमुख स्थानों की पहचान की है जो धीरे-धीरे नीचे दब रहे हैं।2016 से 2023 तक, लागार्डिया के रनवे और आर्थर ऐश स्टेडियम क्रमशः 3.7 और 4.6 मिलीमीटर प्रति वर्ष की दर से नीचे दब रहे हैं। ये दोनों क्षेत्र पूर्व लैंडफिल क्षेत्रों पर बनाए गए थे, जो शायद इनके सबसे तेजी से दबने का कारण हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, समुद्र का जलस्तर बढ़ने से एनवायसी के डूबने का गंभीर खतरा बढ़ रहा है। शहर को तूफान और अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय तूफानों के कारण तटीय बाढ़ सहित समस्याओं का सामना करना पड़ा है। गौरतलब है कि सुपरस्टॉर्म सैंडी ने 2012 में शहर में कहर बरपाया था। एनवायसी के अन्य क्षेत्र जो तेजी से डूब रहे हैं उनमें गवर्नर्स द्वीप का दक्षिणी भाग, स्टेटन द्वीप में मिडलैंड और साउथ बीच, और दक्षिणी क्वींस में एक तटीय अर्वेर्न बाय द सी शामिल हैं।

संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा इस साल की शुरुआत में शोध करने के बाद एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें बताया गया था कि न्यूयॉर्क शहर की 1 मिलियन से अधिक इमारतों का वजन लगभग 1.7 ट्रिलियन पाउंड है और शहर धीरे-धीरे अपने वजन से कम हो रहा है। शोधकर्ताओं ने रिसर्च में बताया, 'तटीय आबादी और संपत्ति को तटीय बाढ़ से बचाना न्यूयॉर्क शहर के लिए एक सतत चुनौती है। समुद्र के स्तर में प्राकृतिक वृद्धि और विनाशकारी तूफानों का संयुक्त प्रभाव समुद्र के स्तर में निरंतर वृद्धि के कारण तेजी से बढ़ रहा है।'

एक्स ने अब तक क्रिएटर्स को किया 166 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान

नई दिल्ली ।अपने प्लेटफॉर्म पर यूजर्स को बनाए रखने के लिए, एक्स कॉर्प ने अब तक क्रिएटर्स को लगभग 20 मिलियन डॉलर (166 करोड़ रुपये से अधिक) का भुगतान किया है। यह खुलासा सीईओ लिंडा याकारिनो ने किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने जुलाई में क्रिएटर्स को अन्य वेरिफाइड यूजर्स को उनके पोस्ट के जवाब में दिखाए गए विज्ञापनों से अर्जित विज्ञापन राजस्व के एक हिस्से के लिए भुगतान करना शुरू कर दिया। याकारिनो ने शुक्रवार देर रात एक्स पर पोस्ट किया, कि क्रिएट, कनेक्ट, कलेक्ट ऑल ऑन एक्स। हम क्रिएटर्स जैसे नए सेगमेंट की आर्थिक सफलता को सक्षम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा ?कि अब तक हमने अपने निर्माता समुदाय को लगभग 20 मिलियन डॉलर का भुगतान किया है। एक्स के मालिक एलन मस्क के अनुसार, जुलाई में पहला भुगतान लगभग 5 मिलियन डॉलर था। क्रिएटर्स को अब यूजर्स से उनके ट्वीट का जवाब देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। एक्स ने क्रिएटर्स के लिए अपने नए लॉन्च किए गए विज्ञापन राजस्व साझाकरण कार्यक्रम के तहत भारत सहित क्रिएटर्स को विज्ञापन राजस्व में से उनके हिस्से का भुगतान करना शुरू किया। दुनिया भर के कई क्रिएटर्स ने साझा किया है कि उन्हें माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म से इसके नए प्रोग्राम के माध्यम से कितना पैसा मिला है। क्रिएटर ऐड रेवेन्यू के लिए पात्र होने के लिए, आपको एक्स प्रीमियम या वेरिफाइड आर्गेनाइजेशन को सब्सक्राइब करना होगा, पिछले 3 महीनों के भीतर आपके कम्युलेटिव पोस्ट पर कम से कम 5 मिलियन ऑर्गेनिक इंप्रेशन होने चाहिए और कम से कम 500 फॉलोअर्स होने चाहिए। योग्य यूजर्स ऐप के मुद्रीकरण अनुभाग के भीतर से शामिल होने और भुगतान सेट करने में सक्षम हैं। एक बार जब आप जॉइन और सेटअप पेआउट पर क्लिक करते हैं तो आपको अपना हिस्सा प्राप्त करने के लिए अकाउंट स्थापित करने के लिए हमारे पेमेंट प्रोसेसर, स्ट्राइप पर रीडायरेक्ट किया जाएगा। यह स्ट्राइप अकाउंट वह होगा जहां आप अपने बाहरी बैंक अकाउंट में फंड ट्रांसफर कर सकेंगे। एक बार जब आप विकल्प चुन लेते हैं, तो आपको नियमित गति से भुगतान प्राप्त होगा, इसके लिए 10 डॉलर से अधिक आया होनी चाहिए।

किलारी के भूकंप ने देश को आपदा प्रबंधन का गुर सिखाया

लातूर, । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि 1993 में किलारी में महसूस किए गए भूकंप की वजह से देश ने आपदा प्रबंधन का गुर सीखा और व्यक्तिगत स्तर पर उन्हें भविष्य के सभी संकटों का सामना करने का साहस मिला। श्री पवार ने शनिवार को किलारी गांव में भूकंप कार्रवाई समिति द्वारा आयोजित आभार पुरस्कार समारोह में अपने विचार साझा किये कहा, 'मैंने जो काम किया, वह एक जिम्मेदारी थी। हजारों लोगों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया था। ऐसे कई व्यक्ति और संगठन थे, जिन्होंने दान दिया था। भूकंप के दो घंटे के भीतर, मैं लातूर के तत्कालीन संरक्षक मंत्री विलासराव देशमुख, धाराशिव के संरक्षक मंत्री डॉ. पद्मसिंह पाटिल के साथ किलारी पहुंचा था।' उन्होंने कहा, 'मैं कामकाजी संगठनों, अधिकारियों और व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं।' उन्होंने शांतिलाल मुथा को भी विशेष सम्मान से नवाजा। श्री मुथा ने भूकंप में अपने माता-पिता को खोने वाले सैकड़ों बच्चों की देखभाल की।

बारामूला में पुलिस ने 403 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया, 12 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ बरामद

श्रीनगर। पुलिस ने इस साल जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में 403 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 12.28 करोड़ रुपये की ड्रग बरामद की है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 30 सितंबर तक पुलिस ने नारकोटिक्स ड्रग एंड फोटोट्रॉफिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत 231 मामले दर्ज किए हैं, जिसके कारण 403 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 62 कुख्यात ड्रग तस्कर शामिल हैं। इन लोगों के खिलाफ पीआईटी एनडीपीएस पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अतिरिक्त ड्रग तस्करों की 2.1 करोड़ रुपये की संपत्ति भी कुर्क की गई है, जिनमें तीन घर, तीन वाहन और 1.2 करोड़ रुपये की नकदी शामिल है। जब्त किए गए मादक पदार्थ में 3.47 करोड़ रुपये मूल्य की 2.670 किलोग्राम ब्राउन शुगर, 5.96 करोड़ रुपये मूल्य की 4.262 किलोग्राम हेरोइन, 56.22 लाख रुपये मूल्य की 11.245 किलोग्राम चरस तथा 1.16 करोड़ रुपये की कीमत के 194.492 किलोग्राम अनार का भूसा और भांग का पाउडर शामिल है। पुलिस ने इस साल सितंबर तक 28 वाहन भी जब्त किये हैं। बारामूला पुलिस ने हालाँकि, नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपने निरंतर अभियान के तहत उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, क्योंकि हाल के महीनों में पंजीकृत मामलों की संख्या में काफी गिरावट आई है। पुलिस ने ड्रग तस्करों की 2.1 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की है, जिसमें तीन घर, तीन वाहन और 1.2 करोड़ रुपये की नकदी शामिल है।

भारत में कोविड-19 के 56 नये मामले सामने आए

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 56 नये मामले आए, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 440 दर्ज की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोरोना वायरस संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 5,32,032 पर स्थिर है। देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,49,98,838 हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,66,366 हो गई है और स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है। कोविड-19 से मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत दर्ज की गई है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, अभी तक देशव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत कोविड-19 रोधी टीके की 220.67 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं।

गणेश विसर्जन के दौरान फैलाया ध्वनि प्रदूषण, अब दर्ज हुआ मामला

भदोही। भदोही जिले में गणेश प्रतिमा विसर्जन और बारावफात के जुलूस में तेज़ आवाज़ से डीजे बजाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने और घंटों सड़क जाम करने के आरोप में शनिवार को 14 डीजे संचालकों के खिलाफ शहर कोतवाली में मामला दर्ज किया गया। ये जुलूस 28 सितंबर को निकाले गए थे। शनिवार रात जारी एक बयान में पुलिस ने कहा, गणेश प्रतिमा विसर्जन और बारावफात के जुलूस (28 और 29 सितंबर) में डीजे संचालकों ने वाहन की क्षमता से अधिक साउंड बाक्स लगाकर नियमों का उल्लंघन किया। चौदह डीजे संचालकों और इनके मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सेठ ने बताया की कटरा पुलिस चौकी इंचार्ज महेश कुमार सिंह की तहरीर पर कुल 14 डीजे संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि 28 सितंबर को गणेश प्रतिमा विसर्जन और बारावफात जुलूस के दौरान वाहनों पर काफी संख्या में बड़े डीजे और वूफर लगाने से बिजली के तार, खम्भे ,और अन्य सरकारी संपत्ति क्षतिग्रस्त हो गई। कई जगह बिजली आपूर्ति और वाई फाई बाधित हुई और सड़क जाम होने से यातायात घंटों बाधित रहा।

भोपाल में टला बड़ा हादसा,आईएएफ के हेलीकॉप्टर की खेत में कराई गई इरमजेंसी लैंडिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में एक बड़ा हादसा टल गया है। भोपाल में वायुसेना के एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी है। भोपाल से लगभग 60 किलोमीटर दूर इस हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। माना जा रहा है कि तकनीकी खराबी होने के कारण इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। बता दें कि इस हेलीकॉप्टर में भारतीय एयरफोर्स के 6 जवान सवार थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त का बड़ा ऐलान, पहली बार घर से वोट डाल सकेंगे बुजुर्ग और विकलांग भी

जयपुर (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ने रविवार को कहा कि चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें मतदान आम आदमी के लिये आसान बनाना और मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। आयुक्त ने यह भी कहा कि आयोग के समक्ष अनिवार्य मतदान का कोई प्रस्ताव नहीं है। जयपुर में संवाददाताओं से बातचीत में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को अखबारों में विज्ञापन देकर अपने आपराधिक रिकॉर्ड के बारे में बताना होगा। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को यह कारण भी बताना होगा कि पार्टी ने उसे उम्मीदवार के तौर पर क्यों चुना है।

उन्होंने बताया कि राजस्थान में पहली बार बुजुर्ग मतदाताओं के साथ-साथ 40 प्रतिशत विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए भी घर से वोट देने की सुविधा उपलब्ध होगी। अनिवार्य मतदान के बारे में पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा, चुनाव आयोग के समक्ष अनिवार्य मतदान का कोई प्रस्ताव नहीं है। कुमार ने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने और मतदान में आसानी बढ़ाने के लिए पहल की गई है, साथ ही, राज्य में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सीमा क्षेत्र, खासकर हरियाणा और पंजाब सीमा पर शराब और नकदी के परिवहन की जांच करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य में कुल 5.25 करोड़ मतदाता हैं जिनमें 2.73 करोड़ पुरुष, 2.51 करोड़ महिला और 604 ट्रांसजेंडर शामिल हैं।उन्होंने बताया कि 18462 मतदाता 100 वर्ष से अधिक आयु के हैं, 11.8 लाख 80 वर्ष से अधिक आयु के हैं और 21.9 लाख पहली बार मतदाता हैं। आयोग के सदस्यों के साथ अपने प्रदेश दौरे के दौरान आयोग ने शुक्रवार से चुनाव तैयारियों के संबंध में राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ कई बैठकें कीं। आयोग ने तीन दिवसीय दौरे के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, जिला कलेक्टरों और जिला पुलिस अधीक्षकों और अन्य अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। चुनाव में 1600 मतदान केंद्रों का प्रबंधन महिलाएं, 200 केंद्रों का प्रबंधन दिव्यांगजन और 1600 केंद्रों का प्रबंधन नवनियुक्त युवाओं द्वारा किया जाएगा। कुल 51756 मतदान केंद्रों में से 50 प्रतिशत की वेबकास्टिंग भी की जायेगी।

भारत में अफगान दूतावास ने बंद किया काम, बताया फैसले के पीछे अहम कारण

नई दिल्ली। भारत में अफगान दूतावास आज से यानी 1 अक्टूबर से बंद हो रहा है। अफगानिस्तान के दूतावास ने 1 अक्टूबर से कामकाज बंद करने का ऐलान किया है। अफगानिस्तान का दावा है कि मेजबान देश यानी भारत सहयोग नहीं कर रहा इस कारण दूतावास को बंद किया जा रहा है। बता दें कि अफगानिस्तान दूतावास ने यह घोषणा शनिवार की रात को की थी। शनिवार को एक घोषणा कर अफगान दूतावास ने बताया था कि वह कामकाज बंद कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि यह घोषणा करने में उन्हें बहुत अफसोस हो रहा है। बहुत ही निराशा के साथ नई दिल्ली में अफगानिस्तान टूटा हुआ सपना कामकाज बंद करने के फैसले का ऐलान कर रहा है। अफगान दूतावास से अपने बयान में बताया है कि मिशन को प्रभावित तरीके से नहीं चल पाने के पीछे कुछ अहम कारण है। इसके लिए अफगान दूतावास ने भारत को भी अहम कारण बताया है। अफगान दूतावास ने एक बयान में कहा कि उसे इस फैसले की घोषणा करते हुए अफसोस हो रहा है। बयान के अनुसार, ''बड़े दुख और निराशा के साथ नयी दिल्ली स्थित अफगानिस्तान दूतावास अपना कामकाज बंद करने के इस फैसले की घोषणा कर रहा है।'' दूतावास ने अपने बयान में मिशन को प्रभावी तरीके से नहीं चला पाने के कुछ कारक गिनाये हैं और कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय के ये ही प्रमुख कारण हैं। उसने आरोप लगाया कि उसे मेजबान देश से अहम सहयोग की कमी महसूस हो रही है जिसकी वजह से वह प्रभावी तरीके से अपना काम नहीं कर पा रहा। दूतावास ने अफगानिस्तान के हितों को पूरा करने में अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरने की भी बात कही है।

स्वच्छता अभियान पर केन्द्र और राज्य के नेताओं ने लगाई झाड़ू

-गांधी जयंती पर शुरु भाजपा का स्वच्छता पखवाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में आज स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। महात्मा गांधी की 154वीं जयंती से पहले केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने अभियान का आगाज किया। इस अवसर पर केन्द्र और राज्य के अनेक केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री सतह पर उतरकर स्वच्छता अभियान में अपना सहयोग दे रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी समेत कई नेताओं ने झाड़ू उठा लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के अहमदाबाद में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया वहीं गृह मंत्री कई भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नजर आए।

इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी एक साथ अंबेडकर नगर बस्ती में अभियान का आगाज करते नजर आए। जेपी नड्डा ने कहा, कि भारतीय जनता पार्टी स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान चला रही है। देश भर के कार्यकर्ता स्वच्छता अभियान में जुटे हुए हैं। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी के साथ स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेने पहुंचे नड्डा ने महात्मा गांधी के स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने का आह्वान किया

उन्होंने कहा कि आइये संकल्प लें कि इस जन आंदोलन से जुड़कर जीवन में सदैव स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए जीवनशैली अपनायेंगे।उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि महात्मा गांधी ने स्वच्छता का जो सपना देखा और मोदी जी ने जिस सपने को साकार किया है, हम उसे और मजबूती से आगे ले जाए।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड और उत्तर रेलवे के अधिकारियों के साथ स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन के लिए 14 मिनट का क्लीन-अप प्रोटोकॉल तैयार किया गया है। आज 35 जगहों पर इसकी शुरुआत होगी और फिर बाद में इसे आगे बढ़ाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चक्रतीर्थ नैमिषारण्य में स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर वे भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सीतापुर क्षेत्र में झाड़ू लगाकर स्वच्छता के प्रति कर्तव्यबोध का अहसास कराया।

भारत में भी शुरु हुई जापान की बुलेट ट्रेन जैसी सफाई तकनीक

-रेलमंत्री वैष्णव ने दी जानकारी, सिर्फ 14 मिनट में साफ होगी वंदे भारत ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने 1 अक्टूबर से ट्रेनों की त्वरित सफाई के लिए '14 मिनट के चमत्कार' को मूर्त रुप दिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अब भारत में भी जापान की बुलेट ट्रेन जैसी साफ-सफाई की तकनीक शुरु कर दी गई है। स्च्छता के मामले में यह एक बड़ा कदम बताया जा रहा है। इस काम की शुरुआत देश भर में उनके संबंधित गंतव्य स्टेशनों पर 32 वंदे भारत ट्रेनों से होगी। इसकी औपचारिक शुरुआत रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन में करने जा रहे हैं। जापान की बुलेट ट्रेनों में देखी गई तीव्र सफाई व्यवस्था का अनुकरण करते हुए भारतीय रेलवे ने भी इसी तर्ज पर तैयारी की है। बताया जा रहा है कि जापान में बुलेट ट्रेन को साफ करने में 7 मिनट का समय मिलता है। भारतीय रेलवे भी ट्रेन की सफाई के मानकों को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि वंदे भारत ट्रेनों को 14 मिनट के भीतर साफ कर दिया जाएगा ताकि उनकी समयबद्धता और टर्नअराउंड टाइम में सुधार किया जा सके।

रेल मंत्री ने कहा, कि यह एक अनोखी अवधारणा है और भारतीय रेलवे में पहली बार ऐसा हो रहा है। इस गतिविधि में पहले से लगे फ्रंट-लाइन कार्यबल की संख्या में वृद्धि किए बिना सफाई कर्मियों की दक्षता, कौशल और कामकाजी रवैये को बढ़ाकर यह सेवा संभव हो गई है। दिल्ली कैंट के अलावा, कुछ अन्य रेलवे स्टेशन जहां इसे शुरू किया जाएगा, वे हैं वाराणसी, गांधीनगर, मैसूर और नागपुर, जो वंदे भारत ट्रेनों के संबंधित आगमन समय पर निर्भर करता है। इस व्यवस्था को लॉन्च करने से पहले, रेलवे ने कुछ ड्राई-रन किए, जहां परिचारकों ने पहले ट्रेन को लगभग 28 मिनट में साफ किया और फिर इसमें सुधार कर 18 मिनट तक लाया गया।

रेल मंत्री ने कहा कि अब इसमें बिना किसी नई तकनीक को शामिल किए केवल 14 मिनट लगेंगे। वंदे भारत से शुरू करके धीरे-धीरे अन्य ट्रेनों में भी यही सफाई को लेकर यही व्यवस्था लागू की जाएगी, जिसका उनकी समयपालनता में सुधार पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। बता दें कि भारतीय रेलवे ने सितंबर में एक पखवाड़े तक चलने वाला स्वच्छता अभियान को शुरू किया, जिसमें रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ ने नई दिल्ली में रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेलवे अधिकारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

जेएनयू में फिर लिखे गए विवादित नारे, छात्र संगठन एबीवीपी ने की जांच की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी एक बार फिर से चर्चा में आ गई है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में नाफरती मामला एक बार फिर से सामने आया है। यूनिवर्सिटी की दीवारों पर विवादित नारे लिखे जाने का मामला सामने आया है। यूनिवर्सिटी की दीवारों पर लिखे गए तारों को लेकर छात्र संगठनों ने गहरी आपत्ति जताई है। इससे पहले भी कई बार जेएनयू कैंपस में इस तरह के विवादित मामले सामने आते रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने दिया विवादित बयान

जेएनयू में देश विरोधी नई लिखे जाने की खबर के बाद कांग्रेस नेता रिटायर्ड कर्नल रोहित चौधरी ने विवादित बयान दे दिया है। करनाल रोहित चौधरी ने कहा कि बहुत सी चीज राज्य प्रायोजित होती है। उन्होंने कहा कि आज का समय व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी का समय है जिसमें दुष्प्रचार करने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाए जाते है।

छात्र संगठनों ने की जांच की मांग

दीवारों पर लिखे गए विवादित नारों की बात सामने आने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने इस मामले की जांच करने की मांग की है। एबीवीपी ने कहा है कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और जेएनयू प्रशासन से इस मामले की जांच की मांग की है। इस संबंध में एबीवीपी ने जेएनयू प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा है। जानकारी मिली है कि जो नर जेएनयू की दीवारों पर लिखी गई है वह भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कश्मीर से संबंधित है। बता दे कि अब तक के सामने नहीं आया कि है कि इन तारों को किसने लिखा है और इन नारों को लिखने के पीछे क्या कारण है।

पंजाब में कांग्रेस-आप के घमासान के बीच 'इंडिया' गठबंधन पर नवजोत सिंह सिद्धू ने दिया बड़ा बयान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने रविवार को कहा कि विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' एक 'ऊंचे पहाड़' की तरह खड़ा है और इसकी शान यहां-वहां आने वाले तूफान से प्रभावित नहीं होगी। सिद्धू का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब पंजाब में कांग्रेस की प्रदेश इकाई के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा सहित कई कांग्रेस नेता 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन का विरोध कर रहे हैं। सिद्धू ने कहा, ''पंजाब को यह समझना चाहिए कि यह भारत के प्रधानमंत्री को चुनने का चुनाव है, न कि पंजाब का मुख्यमंत्री चुनने का।''

सिद्धू ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, ''इंडिया गठबंधन एक ऊंचे पहाड़ की तरह खड़ा है...यहां-वहां आने वाले तूफान से इसकी शान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हमारे लोकतंत्र की रक्षा के लिए इस ढाल को तोड़ने का कोई भी प्रयास निरर्थक साबित होगा।'' सिद्धू की यह टिप्पणी प्रदेश कांग्रेस प्रमुख वडिंग द्वारा 2015 के मादक पदार्थ मामले में पार्टी विधायक सुखपाल सिंह खैरा की गिरफ्तारी को ''राजनीतिक प्रतिशोध'' बताए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। भुलथ के विधायक खैरा की गिरफ्तारी से पंजाब में कांग्रेस और आप के बीच दूरियां बढ़ गई हैं। दोनों दलों के 'इंडिया' के सदस्य होने के कारण पंजाब में कांग्रेस नेताओं ने पूर्व में संकेत दिया था कि वे राज्य में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के साथ किसी भी तरह के गठबंधन के खिलाफ हैं।

एक सितंबर को 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) ने मुंबई में अपनी बैठक में 2024 के लोकसभा चुनावों को ''जहां तक संभव हो'' एक साथ लड़ने का संकल्प लेते हुए इस बात पर जोर दिया कि राज्यों में सीट-बंटवारे की व्यवस्था ''सहयोगात्मक भावना'' के साथ जल्द से जल्द संपन्न की जाएगी। विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने 14 सदस्यीय समन्वय समिति का गठन किया है जो गठबंधन की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था के रूप में कार्य करेगी और सीट बंटवारे पर काम शुरू करेगी। गठबंधन के नेताओं ने यह भी विश्वास जताया कि नया मोर्चा भाजपा को आसानी से हरा देगा।

चांद से भी परे पहुंचेंगे भारत और अमेरिका के संबंध : एस. जयशंकर

-विदेश मंत्री ने चंद्रयान से की भारत और अमेरिका के संबंधों की तुलना

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और अमेरिका के संबंध चद्रयान के समान हैं, जो अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच रहे हैं उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें एक अलग स्तर तक लेकर जाएगी। ये द्विपक्षीय संबंध चंद्रयान की तरह चांद पर और उससे भी परे पहुंचेंगे। भारतीय दूतावास द्वारा शनिवार को यहां आयोजित 'सेलिब्रेटिंग कलर्स ऑफ फ्रेंडशिप' कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका के विभिन्न हिस्सों से 'इंडिया हाउस' में एकत्र हुए सैकड़ों भारतीय-अमेरिकियों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि आज एक स्पष्ट संदेश है कि हमारा रिश्ता अब तक के उच्चतम स्तर पर है, लेकिन जैसा कि अमेरिका में कहा जाता है कि आपने अभी तक कुछ भी नहीं देखा है, हम इन संबंधों को एक अलग स्तर, एक अलग जगह ले जाने वाले हैं। जयशंकर ने कहा कि जी20 की सफलता अमेरिका के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकती थी। उन्होंने कहा कि जब चीजें अच्छी होती हैं, तो हमेशा मेजबान को इसका श्रेय मिलता है।

एस. जयशंकर ने भारतीय-अमेरिकियों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा कि मैं आज इस देश में हूं, खासकर इसलिए मुझे यह कहना चाहिए कि जी20 को सफल बनाने के लिए जो योगदान, जो सहयोग और समझ हमें अमेरिका से मिली, उसकी मैं वाशिंगटन डीसी में सार्वजनिक तौर पर सराहना करना चाहूंगा। उन्होंने कहा, तो, शाब्दिक रूप से यह हमारी सफलता हो सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि यह जी20 (राष्ट्रों) की सफलता थी। मेरे लिए, यह भारत-अमेरिका साझेदारी की भी सफलता थी, कृपया इस साझेदारी को वह समर्थन देते रहें, जिसकी उसे आवश्यकता है, जिसकी यह हकदार है और जिसकी अपेक्षा है।

विदेश मंत्री ने कहा कि मैं आपसे वादा कर सकता हूं कि ये संबंध चंद्रयान की तरह चंद्रमा तक, शायद उससे भी आगे तक जाएंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मानवीय संबंध इस द्विपक्षीय संबंध को और अनूठा बनाते हैं। जयशंकर ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों के निर्माण में प्रवासी भारतीयों का अत्यधिक योगदान है। उन्होंने कहा कि इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। इसी आधार के सहारे हम आगे देख रहे हैं, क्षितिज पर नयी आशा देख रहे हैं, इसलिए, मुझे लगता है कि जब हम क्षितिज को देखते हैं, तो हमें वहां वास्तव में शानदार संभावनाएं दिखाई देती हैं और यह समुदाय ही इन्हें संभव बनाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पांडेसरा औद्योगिक क्षेत्र में एसएमसी नालों में अंधाधुंध रासायनिक पानी बहा रही है

विपक्ष ने सताधियों पर लगाया आरोप- 'यह किसकी रहम नजर है?'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

औद्योगिक शहर सूरत में बड़ी संख्या में औद्योगिक क्षेत्र हैं, जो पर्यावरण नियमों का उल्लंघन कर प्रदूषण फैलाते रहते हैं। बात अगर वायु प्रदूषण की हो या जल प्रदूषण की,सूरत में दिन-ब-दिन इसमें बढ़ोतरी हो रही है खाड़ी में केमिकलयुक्त पानी फेंकने का एक और मामला सामने आया है। रासायनिक पानी की अंधाधुंध डंपिंग के दृश्य यह संदेह पैदा हुआ है कि पांडेसरा औद्योगिक क्षेत्र में नवरतन सोसायटी के पास बैटरी निर्माता कंपनियों द्वारा पानी को खाड़ी में डंप किया जा रहा है। औद्योगिक और आवासीय क्षेत्रों का सीवेज रसायनयुक्त पानी से भरा हुआ है। हैरानी की बात यह है कि केमिकल युक्तहरे रंग के पानी के कारण पूरा नाला ओवरफ्लो हो रहा है। इतना ही नहीं, बल्कि वह पूरी जमीन जहां से होकर यह रसायन युक्त पानी गुजर रहा है,वह भी काली हो गई है, जो दर्शाता है कि इस अत्यधिक ज्वलनशील रसायन को अवैध रूप से खाड़ी में डाला जा रहा है। चाहे सचिन जीआईडीसी हो, पांडेसरा जीआईडीसी हो या फिर सूरत का औद्योगिक क्षेत्र, समय-समय पर ऐसे मामले सामने आते रहते हैं।

नगर पालिका के अधिकारियों पर सीधा आरोप है, जिनकी निगरानी में अक्सर एसएमसी की नालियों में ऐसा रासायनिक पानी बहा दिया जाता है? अगर स्थानीय जोन के अधिकारी, ड्रेनेज विभाग के इंजीनियर और जीपीसीबी के अधिकारियों ने यह सब तुरंत नहीं रोका तो राज्य सरकार से शिकायत दर्ज कराई जाएगी.अगर राज्य सरकार की भी सीधी नजर रही तो हम

नवसारी सांसद सी.आर.पाटिल और नगर निगम आयुक्त शालिनी अग्रवाल ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत एसएमसी के नवदी ओवारा में श्रम दान किया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी सांसद सीआर पाटिल जयंती के अवसर पर 'स्वच्छ भारत' की थीम पर 'स्वच्छ भारत' की थीम पर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के साथ स्वच्छता पखवाड़ा मना रहे हैं, ऐसे में सूरत नगर निगम के नानपुरा नवाडी ओवारा में नवसारी सांसद सीआर पाटिल 2 अक्टूबर को राष्ट्र के प्रथम पिता एवं देश के प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी महात्मा गांधी की। साथ ही कमिश्नर शालिनीबेन अग्रवाल की प्रेरक उपस्थिति में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के तहत स्वच्छता का संदेश गूंजा। एक घंटे तक श्रमदान में शामिल हुए।

प्रदेश अध्यक्ष और नवसारी सांसद सीआर पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने देश के नागरिकों से १ अक्टूबर को एक घंटे श्रमदान कर सार्वजनिक स्थानों की सफाई करने का अनुरोध किया था. सूरत में प्रत्येक वार्ड में दो स्थानों सहित तटीय, नदी के किनारे और धार्मिक स्थानों सहित 60 स्थानों पर

दल में शामिल होकर स्वच्छता पर महात्मा गांधी के आग्रह का पालन किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने गांधी जयंती के दिन देशवासियों से खादी खरीदने का आह्वान किया था. आयुक्त शालिनीबेन अग्रवाल ने कहा, भारत के प्रधान मंत्री के आह्वान पर, सूरत के लोग

किया गया है। प्रत्येक वार्ड में दो-दो स्थानों पर साफ-सफाई की व्यवस्था की गयी है. उन्होंने कहा कि सूरत में मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल के मार्गदर्शन में सूरत नगर निगम द्वारा अभियान में अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों, सफाई कर्मचारियों सहित नागरिकों

1500 से अधिक नागरिकों ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया। सूरत के लोगों ने नवाडी ओवारा में छात्रों, नागरिकों, नगरपालिका अधिकारियों, कर्मचारियों सहित सफाईकर्मी

जिली नानपुरा नावदी ओवारा में बड़ी संख्या में स्वच्छता अभियान में शामिल हुए हैं। पूरे भारत में 'एक तारीख, एक घंटा श्रमदान' अभियान शुरू

की जन भागीदारी ने श्रम दान के लिए 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के माध्यम से एक जन आंदोलन खड़ा किया है।

सूरत की 13 साल की सगीरा से दो दोस्तों ने किया रेप, तीसरे ने दी वायरल करने की धमकी,तीनों गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के चौकबाजार में 8वीं कक्षा में पढ़ने वाली एक लड़की को सोशल मीडिया पर दोस्त बनाना भारी पड़ गया। इंस्टाग्राम पर सगीरा से दोस्ती के बाद युवक ने उसे मिलने के लिए बुलाया और दोनों दोस्तों ने मिलकर किशोरी से दुष्कर्म किया। जबकि दूसरे तीसरे दोस्त ने मोबाइल फोन में सगीरा की गंदी तस्वीरें होने

पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

शिकायत के आधार पर चौक बाजार पुलिस ने मुख्य आरोपी सरथाणा श्यामधाम चौक के पास रहने वाले अभय, उसके दोस्त को बुलाने वाले संजय अहीर और पैसे मांगने वाले हीरेन उर्फ हेरिक उर्फ हरेश सोलंकी, जिसने गंदे फोटो खींचने की धमकी देकर जबरन शारीरिक संबंध बनाए, को गिरफ्तार कर लिया है। . फिलहाल चौक बाजार पुलिस ने मुख्य आरोपी अभय बोर्ड समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है.

सगीरा ने माता-पिता को बताई पूरी सच्चाई

सगीरा के साथ यह पूरी घटना बीते 19 सितंबर को घटी। देर रात आरोपियों के चंगुल से भागकर किशोरी अपने घर पहुंची। जब उसके माता-पिता ने उससे पूछा कि वह पूरी रात कहां थी, तो छात्रा ने पूरी कहानी अपने माता-पिता को बताई। यह सुनकर वह हैरान रह गया। माता-पिता तुरंत चौक बाजार थाने पहुंचे और पुलिस को अपनी बेटी के साथ हुई पूरी घटना की जानकारी दी. घटना की

और उन्हें वायरल करने की बात कहकर लड़की के साथ दुराचार करने की कोशिश की। नाबालिग की मां की शिकायत के आधार पर चौकबाजार पुलिस ने मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. सूरत के चौक बाजार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है कि एक 13 वर्षीय लड़की के साथ इंस्टाग्राम के माध्यम से उसके संपर्क में आए एक युवक और उसके दोस्तों ने बलात्कार किया । सूरत के चौक बाजार इलाके में रहने वाली 35 वर्षीय महिला मूल रूप से बोटाद की रहने वाली है। उनकी एक 13 साल की बेटी है. यह नाबालिग बेटी इंस्टाग्राम के जरिए अभय बोराद नाम के युवक के संपर्क में आई। जिसके बाद दोनों के बीच मोबाइल नंबरों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों दोस्ती निभाते हुए व्हाट्सएप पर चैट कर रहे थे। अभय सगीरा को घुमाने के बहाने अपने साथ ले गया था। उसे एक अज्ञात स्थान पर एक घर में ले जाया गया और जबरन संबंध बनाए गए। चौक बाजार पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 20 साल के अभय बोर्ड ने सगीरा को गंदी तस्वीरों से ब्लैकमेल कर वारदात को अंजाम देने के बाद अपने एक दोस्त संजय अहीर को भी बुलाया था. संजय अहीर ने भी सगीरा के साथ दुष्कर्म किया. फिर दोनों दोस्तों ने हरेश सोलंकी नाम के एक युवक को भी वहां बुला लिया. युवक के इस तीसरे दोस्त हरेश सोलंकी ने सगीरा को यह कहकर ब्लैकमेल किया कि उसके मोबाइल फोन में उसकी गंदी तस्वीरें हैं. जिसके बाद हरेश सोलंकी ने भी नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास किया.

सूरत में बीआरटीएस बस की चपेट में आने से एक लड़की की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में बीआरटीएस बस की चपेट में आने से एक लड़की की मौत हो गई है. गोडादरा इलाके में एक बीआरटीएस बस चालक ने सिलाई क्लास से घर आ रही एक लड़की को कुचल दिया। इस घटना में गंभीर चोट लगने से लड़की की मौत हो गई है.

सीटीबस और बीआरटीएस बस चालकों के कारण शहर में कई दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन इस मामले की गंभीरता से निगम को कोई लेना-देना नहीं है। १९ वर्षीय पूजा विक्रमभाई यादव, जो कि महाराणा प्रताप चार के पास रहती हैं। शुक्रवार शाम को गोडादरा इलाके में एक सिलाई क्लास में गई थी और फिर घर आ रही थी। इसी दौरान बीआरटीएस गोडादरा सनराइज स्कूल के पास सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान एक बीआरटीएस बस चालक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई।

परिवार शोक में है क्योंकि बीआरटीएस ड्राइवर ने अचानक परिवार पर वज्रपात कर दिया। अपनी लाडली बेटी की मौत से परिवार शोक में डूब गया, पूजा का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। उनके एक और भाई और बहन हैं. इस संबंध में पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे